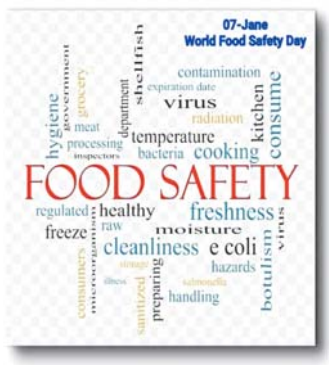

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 286/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 07 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

डब्लूटीसी फाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच आज, दोपहर 3 बजे से

सांध्यप्रकाश विशेष

मुख्यमंत्री शिवराज चौहान से असम के मुख्यमंत्री हेमन्ता बिस्वा सर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर सौजन्य भेंट की।

बरगद के विशाल वृक्ष को बचा लीजिए मुख्यमंत्री जी

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया क्षेत्र विश्वकर्मा मंदिर के पीछे पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क बनाई जा रही है। नई सड़क पर आ रहे बरगद के पेड़ को कल काटे जाने की जानकारी मिली है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि यदि सड़क निर्माण में कोई पुराना और विशाल वृक्ष आता है, तो सड़क को घुमाकर निकाला जा सकता है। बागसेवनिया में रहने वाले उमाशंकर तिवारी ने बताया कि बागसेवनिया क्षेत्र विश्वकर्मा मंदिर के पीछे पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क बनाई जा रही है। नई सड़क पर आ रहे बरगद के पेड़ को कल काटे जाने की जानकारी मिली है। इसलिए हमारा मुख्यमंत्री जी से आग्रह है कि एक हरा भरा पेड़ जो कई वर्षों पुराना है। जो अब सड़क किनारे आ गया है। इससे कोई आवागमन बाधित नहीं होता है और न आगे होगा। उसके बाद भी बिना परमिशन और के कटे जाने की तैयारी है। जिसे सरकार या प्रशासन को जल्द ही रोक लगाना चाहिए। जिससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। बच्चे, महिलाएं और पुरुष सभी इस पेड़ को बचाने में जुटे हुए हैं और आंदोलन भी कर रहे हैं।

मौतों पर राजनीतिक रोटियां सेंकना कांग्रेस का शगल: सीएम चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मौतों पर राजनीतिक रोटियां सेंकना कांग्रेस का शगल रहा है। जब चुनाव आता है, तभी मंदसौर याद आता है। इतने वर्षों में कभी किसान याद नहीं आए। चुनाव आए तो चल दो। अब तक क्यों नहीं गए पिपलिया। किसानों से कर्जमाफी का वादा करके मुकर गए। कांग्रेस जनजाति वर्ग के हितैषी होने का ढोंग करती है। पेसा के नियम हमने ही लागू किए हैं।

नकल करने वाले बताएं, कितने वादे पूरे किए

मुख्यमंत्री शिवराज ने कहा कि जो लोग चुनाव देखकर लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की नकल कर रहे हैं और वादे कर रहे हैं, वह यह तो बता दें कि पुराने वादे कितने पूरे किए। जो गिनकर कहते थे कि 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ, तो मुख्यमंत्री बदल देंगे, उनके वादों का क्या हुआ। मां, बेटियों का सशक्तीकरण करना मेरी जिंदगी का मकसद है। हमने इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना शुरू की, यह केवल योजना नहीं है, सामाजिक क्रांति की कड़ी है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जबलपुर में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के मुख्य कार्यक्रम के लिए जारी तैयारियों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने आज राजगढ़ में 13 जून को होने जा रहे किसान कल्याण महाकुंभ के लिए जारी तैयारियों की निवास कार्यालय में समीक्षा की। कलेक्टर राजगढ़ बैठक से वर्चुअली जुड़े।

300 फीट गहरे बोरवेल में फंसी मासूम की जान

रेस्क्यू आपरेशन जारी, कंपन से 110 फीट नीचे खिसकी बच्ची

सीहोर। जिले के मुगावली गांव में ढाई वर्ष की सृष्टि पुत्री राहुल कुशवाह खेलते हुए करीब 300 फीट गहरे बोरवेल के गड्ढे में गिर गई थी। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस, प्रशासन व एनडीआरएफ का अमला जुटा हुआ है। रेस्क्यू लगातार जारी है। इस बीच एक सृष्टि जो करीब 25 फीट की गहराई में फसी थी, वो खिसककर करीब 50 फीट नीचे चली गई थी। इसके बाद वो फिर खिसकी और अब संभवतः 110 फीट से भी नीचे चली गई है। जबकि रेस्क्यू टीम ने उसे निकालने के लिए बोर के समानांतर करीब 27 फीट गहरा गड्ढ़ा कर लिया था। लेकिन अब शायद इतनी गहराई से गड्ढ़े से निकलना संभव न हो, इसलिए अब आर्मी को बुला कर उनकी मदद से सृष्टि को निकाले जाने की बात चल रही है।

आज सुबह 8 बजे तक करीब 30 फीट तक खोदाई की जा चुकी थी। पूरी रात रेस्क्यू चला, लेकिन 12 फीट के बाद पत्थर आना शुरू हुआ, जिससे खोदाई में अधिक समय लग रहा है। मजबूत पत्थर को तोड़ने के लिए 6 पोकलेन लगी हैं। जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी का कहना है कि बच्ची में मूवमेंट नजर नहीं आ रहा है, लगातार रेस्क्यू जारी है।

बोरवेल के समानांतर पिछले 18 घंटे से लगातार खोदाई करने वाले दल के सदस्यों का कहना है कि जहां पहले बच्ची करीब 25 फीट पर नजर आ रही थी, अब वह खिसककर 50 फीट गहराई में जा चुकी है। दरअसल, यहां 12 फीट के बाद मजबूत पत्थर आना शुरू हो गया था जिसको लगातार हाइड्रोलिक ब्रेकन, रॉक ड्रिल मशीन, पोकलेन मशीन के पत्थर तोड़ने पर निकालने से हुए कंपन के कारण बच्ची और नीचे खिसककर करीब 50 फीट गहराई में पहुंच गई।

कांग्रेस सर्व समाज और किसानों की पार्टी: कमलनाथ

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि पूरा प्रदेश जानता है, मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की सोच किसान विरोधी है। मंदसौर में किसानों पर गोली चलाने से लेकर आज तक आप किसान विरोध का कोई मौका नहीं छोड़ते। एक बात याद रखिए कांग्रेस सर्व समाज और किसानों की पार्टी है। हम किसानों की सेवा के लिए राजनीति करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। भाजपा की तरह झूठे नारियल फोड़ना, गाल बजाना और झूठ की मशीन को डबल स्पीड पर चलाना हमारा काम नहीं है।

आज जारी बयान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने पूछा है- अगर मंदसौर में किसानों की हत्या आपकी सरकार के इशारे पर नहीं की गई तो फिर आज तक मंदसौर किसान हत्याकांड की जांच रिपोर्ट आपने सार्वजनिक क्यों नहीं की? मंदसौर और पूरे प्रदेश के किसानों के खिलाफ आप हमेशा काम क्यों करते हैं?

आप मुझसे पूछते है कि मैं किसानों के बीच गया या नहीं गया? मध्य प्रदेश का किसान आपसे पूछता है कि आप ओलावृष्टि में क्यों नहीं आए? आपने समय पर खाद और बीज क्यों उपलब्ध नहीं कराया? कांग्रेस सरकार ने जो किसान कर्ज माफी की थी उसे आपने क्यों बंद कर दिया?

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के आवास पर पहुंचे पहलवान, चर्चा जारी

नई दिल्ली। पहलवान बजरंग पूनिया केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को बातचीत के लिए बुलाए जाने पर पहलवान साक्षी मलिक ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा था कि हम सरकार द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर अपने वरिष्ठों और समर्थकों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जब सभी अपनी सहमति देंगे कि प्रस्ताव ठीक है, तभी हम मानेंगे। ऐसा नहीं होगा कि हम सरकार की किसी भी बात को मान लें और अपना धरना समाप्त कर दें। बैठक के लिए अभी तक कोई समय तय नहीं किया गया है। साक्षी ने कहा कि बृजभूषण की गिरफ्तारी हमारी मुख्य मांग है। अभी हम प्रदर्शन खत्म नहीं कर रहे हैं। उधर, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि बातचीत से हल संभव है। भाजपा सांसद बृजभूषण की गिरफ्तारी होनी चाहिए। बृजभूषण को बचाया जा रहा है।

चुनावी राज्यों को लेकर भाजपा की मैराथन बैठकों का दौर

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले संगठनात्मक तंत्र की समीक्षा के साथ ही उसे और मजबूत बनाने के मकसद से पिछले 24 घंटे में मैराथन बैठकें कीं। इनमें केंद्रीय संगठन से लेकर राज्यों के संगठन में बड़े बदलाव का फैसला लिया गया है। माना जा रहा है कि यह बदलाव जल्द होगा।

सूत्रों ने बताया कि संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित पार्टी नेताओं ने सोमवार रात और मंगलवार को बैठक की। बैठकों के एजेंडे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है हालांकि सूत्रों ने कहा कि बैठकों में वर्तमान राजनीतिक स्थिति के साथ ही संगठनात्मक मामलों का जायजा लिया गया। सूत्रों ने बताया कि भाजपा कुछ राज्यों में अपने संगठन में कुछ बदलाव कर सकती है और अपने पदाधिकारियों को नई भूमिकाएं सौंप सकती है। कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से हारने के बाद, भाजपा आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां कांग्रेस सत्ता में है। मध्य प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव हैं जहां भाजपा का शासन है। तेलंगाना में भी चुनाव होने हैं, जहां 2014 में राज्य के गठन के बाद से भारत राष्ट्र समिति शासन कर रही है। भाजपा की कोशिश जहां राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने की है वहीं मध्य प्रदेश में सत्ता बचाए रखने की भी उसके समक्ष चुनौती है। तेलंगाना में भी भाजपा बीआरएस को पटखनी देने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।

सीएम हाउस में बीजेपी की आज बड़ी बैठक। सीएम शाम 7:30 बजे करेंगे मंत्रियों के साथ बैठक

जल्द दिखेंगे बैठकों के नतीजे

बैठक में जो तय किया गया, उसके नतीजे बहुत जल्दी दिखाई देंगे। अंदर से मिली जानकारियां बताती है कि पार्टी और सरकार से कुछ लोगों की अदला-बदली किए जाने की तैयारी है। कुछ लोगों को सरकार से संगठन में भेजा जा सकता है और कुछ को संगठन से सरकार में लाया जाएगा। यह पूरी कवायद इस साल कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव को देखते हुए की जा रही है। पार्टी का सबसे ज्यादा ध्यान केंद्र सरकार और मध्यप्रदेश पर है। नई रणनीति के नतीजे बहुत जल्द दिखाई भी देंगे। राजनीति के जानकारों का अनुमान है कि बदलाव की इस प्रक्रिया में संगठन के कुछ लोगों को सरकार में भेजा जा सकता है और सरकार से कुछ नेताओं को संगठन में लाकर उन्हें अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। अगले कुछ दिनों में यह पूरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

सामाजिक और जातीय समीकरणों का ध्यान

भाजपा नए सहयोगियों के साथ सामाजिक और जातीय समीकरणों को साधते हुए नई योजनाओं के सहारे अपने वोट बैंक को साधने की कवायद कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही कुछ अन्य लोकप्रिय घोषणाओं के साथ सामने आ सकते हैं, जिससे विपक्ष के वार को भोथरा किया जा सके। संगठन में बदलाव इसकी एक अहम कड़ी साबित हो सकता है।

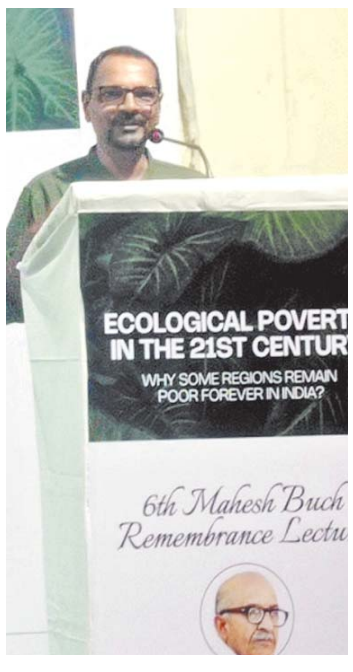

भारत में प्राकृतिक संसाधन समृद्ध क्षेत्रों में लंबे समय से गरीबी : रिचर्ड महापात्रा

स्व. एमएनबुच की स्मृति में 21 वीं सदी में पारिस्थितिक विपन्नता: भारत के कुछ क्षेत्रों में हमेशा क्यों? पर व्याख्यान आयोजित

भोपाल। भारत में पच्चीस प्रतिशत लोग गरीब हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में 37 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 47 रुपये प्रतिदिन कमाते हैं। उनमें से अधिकांश बिगड़े पर्यावरण वाले प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रहते हैं। सन 2019 तक भारत में गरीबों की संख्या में हो रही कमी सबसे तेज थी, लेकिन कोविड महामारी ने इस तेजी को कम कर दिया है। भारत में गरीबी के कारण मुख्य रूप से पारिस्थितिक हैं और इस प्रकार गरीबी को कम करने की चाबी पर्यावरणीय क्षरण को रोकने और प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रबंधन में निहित है। यह विचार विख्यात पर्यावरणविद और पत्रिका डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने 21 वीं सदी में पारिस्थितिक विपन्नताः भारत के कुछ क्षेत्रों में हमेशा क्यों? विषय भोपाल में महेश बुच स्मरण व्याख्यान देते हुए व्यक्त किए।

श्री महापात्रा ने भारत में गरीबी के जटिल मुद्दे का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि 13.4 करोड़ गरीबों में से 60 प्रतिशत मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, यूपी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्यों में रहते हैं। मध्य प्रदेश का अलीराजपुर देश का सबसे गरीब जिला है, जहां 76 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। देश में वन आवरण और गरीबी का सीधा रिश्ता है, जितना अधिक वन आवरण उतना अधिक गरीबी। इसका कारण वन क्षेत्रों का क्रमिक रूप से बिगड़ते जाना है। 2019 तक भारत सबसे तेजी से गरीबी कम करने वाला देश था और एसडीजी लक्ष्य से बहुत पहले 2022 तक गरीबी समाप्त होने की उम्मीद थी। लेकिन कोविड महामारी के कारण ऐसा नहीं हुआ जिसने भारत को पीछे की ओर धकेल दिया। कोविड महामारी से पहले सन 2019 में देश में गरीबों की संख्या 6 करोड़ थी लेकिन कोविड महामारी के दौरान अकेले एक वर्ष में 7.4 करोड़ गरीब और बढ़ गए।

भारत में नब्बे करोड़ लोग पर्यावरण क्षरण का दंश झेल रहे हैं। ज्यादातर गरीब, बिगड़े पर्यावरणीय क्षेत्रों में रहते हैं जिसमे 30 प्रतिशत मरुस्थलीकरण जैसे क्षेत्रों में फ़ैले हैं, और देश के एक तिहाई जिले सूखा प्रवृत हैं। इसलिये लगभग 68 प्रतिशत भूमि वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर है, इस प्रकार ये प्राकृतिक अनियमितता के अधीन हैं। सबसे गरीब जिलों में वन क्षरण सबसे अधिक है, इसलिए, गरीब जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। श्री महापात्र ने चेतावनी दी कि 2030 तक जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण भारत को प्रति वर्ष 700 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

स्मरण व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे एनआईडी भोपाल के निदेशक प्रोफ़ेसर धीरज कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह हम सब की सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि जो समस्याएं इस व्याख्यान में कही गई हैं उनके समाधान निकाले जा सकें। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों में इस विषय पर गंभीरता से विचार-विमर्श होना चाहिए ताकि विद्यार्थी इससे संबंधित प्रोजेक्ट्स पर काम कर सकें। उन्होंने कहा कि रालेगाँव सिद्धि में ग्रामीण आयकर देरहे हैं। इस तरह के मॉडल्स का विस्तार होना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट एवं फ्रेंड्स ऑफ एनवायरनमेंट भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। कार्यक्रम में प्रबुद्धजन, पूर्व नौकरशाह, छात्र, सीएसओ के सदस्य और अन्य शामिल थे।

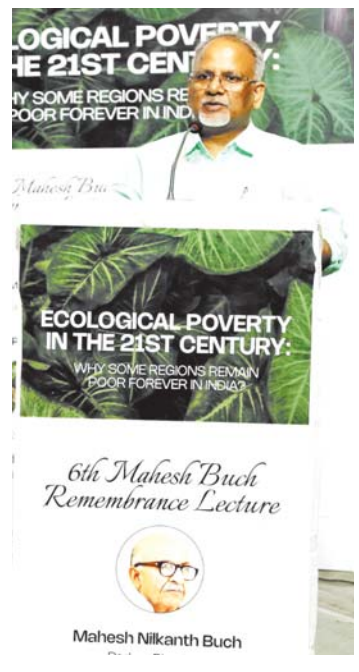

संतों की संगत से भक्ति मिलती है जो आनंद से परिपूर्ण होती है: आचार्य रोहित रिछारिया

अशोका गार्डन के सुभाष कालोनी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अशोका गार्डन के सुभाष कालोनी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक आचार्य पं. रोहित रिछारिया ने सुखदेव जी और परीक्षित प्रसंग, अजामिल उपाख्यान, प्रहलाद चरित्र व नरसिंह अवतार की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि मौत अटल सत्य है। मृत्यु और भगवान को याद करते रहें, तो आप सदा सत्य के मार्ग पर चलते रहेंगे। जिसने अपनी मृत्यु संभाल ली तो सब संभाल लिया। सुखदेव जी ने राजा परीक्षित को भक्ति के मार्ग पर चलने और इंद्रियों पर विजय पाने का उपदेश दिया। सृष्टि की रचना, बाराह अवतार व कपिल भगवान के कथा प्रसंगों को श्रोताओं ने भाव- विभोर होकर सुना। आचार्य रिछारिया ने कहा कि संतों की संगत से भगवान की भक्ति मिलती है जो आनंद से परिपूर्ण होती है। संत दया करते हैं, वे मान और अपमान दोनों का सम्मान करते हैं। कथा सुनने गुफा मंदिर के महंत श्री रामप्रवेश दास जी महाराज भी पहुंचे। गौरीशंकर शर्मा %गौरीश% मनोज शुक्ला, राकेश चतुर्वेदी, कृष्णपाल सिंह परिहार, रामरतन बघेल, शिव सिंह धाकड़, अनिल शास्त्री, बैजनाथ सिंह, देवेंद्र दुबे, योगेश मालवीय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु व कालोनीवासी उपस्थित थे।

आचार्य पं. रोहित रिछारिया ने व्यासपीठ से प्रकृति संरक्षण का संकल्प दिलाया। आचार्य ने कहा कि एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है। हर व्यक्ति को कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। वृक्ष में भगवान का वास होता है, देवताओं का वास होता है इसलिए इन्हें कदापि नहीं काटना चाहिए। प्रत्येक को प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के पुण्य कार्य में भागीदार बनना चाहिए। यह समय की मांग भी है। गुफा मंदिर के महंत श्री रामप्रवेश दास जी ने धर्म परिवर्तन करने वालों पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि थोड़ा सा बहकावे में आकर आज के युवा अपना धर्म और संस्कृति छोड़ रहे हैं। यह अच्छी बात नहीं है। सनातन धर्म विश्व में श्रेष्ठ है। महंत जी ने माता सीता और रावण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि अनेकों कष्ट दिए जाने पर भी सीताजी ने रावण की संस्कृति स्वीकार नहीं की।

एक अन्य प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि %चलत दशानन डोलत अवनि% रावण जब चलता था तो पृथ्वी हिलती थी, लोगों की तो बात ही क्या? ऐसे में विभीषण ने निर्भीक रहकर भगवत भक्ति की। किसी के दबाव में, प्रभाव में आकर धर्म नहीं छोड़ना चाहिए। आज भी सनातन धर्म की महिमा है। इसकी रक्षा के लिए हम सबको जब तक सांस रहे तब तक प्रयास करना चाहिए। भागवत प्रेम का ग्रंथ है। श्रीजी की महिमा देखना हो तो वृन्दावन में देखें। वृन्दावन धाम में श्रीजी की सेवा में लगे रहे भगवान कृष्ण। महंत जी ने बृज का रसिया सुनाकर बताया कि %गावत श्रुति वेद-पुराण, वृषभानु दुलारी को, बैकुंठ से भी उत्कृष्ट वैभव, वृषभानु दुलारी को। सनातन धर्म में नारी का स्थान हमेशा से उच्च रहा है।

पं.प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा का आयोजन 10 जून से

भोपाल। भाजपा के संस्थापक सदस्य स्व. श्री कैलाश सारंग एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती प्रसून सारंग की पुण्य स्मृति में भोपाल में पहली बार पं. प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से 10 जून से 14 जून तक 2 बजे से 5 बजे तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। शहर का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन नरेला विधानसभा अंतर्गत पीपुल्स मॉल के पीछे करोंद स्थित 55 एकड़ मैदान में होगा। कथा में देशभर से लगभग 5 लाख लोगों के आने का अनुमान है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने इस संबंध में आज मीडिया से चर्चा की। उनके साथ महापौर श्रीमती मालती राय, कर्मचारी नेता अजय श्रीवास्तव नीलू भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि कथा स्थल पर सभी श्रद्धालुओं के बैठने के लिये 50 हजार वर्ग फीट में 3 वॉटरप्रूफ डोम लगाये जा रहे हैं। इसके साथ ही कथा स्थल के समीप ही 200 एकड़ के क्षेत्र में वाहन पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। 50 हजार वर्ग फीट में श्रद्धालुओं के बैठने के लिये होंगे 3 वॉटरप्रूफ डोम

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि कथा में देशभर से लगभग 5 लाख लोगों के आने का अनुमान है। स्थल पर सभी श्रद्धालुओं के बैठने के लिये 50 हजार वर्ग फीट में 3 वॉटरप्रूफ डोम लगाये जा रहे हैं। पंडालों में आने के लिए मेन रोड से 11 द्वार बनाये गये हैं। सभी प्रवेश द्वारों पर नियंत्रण कक्ष बनाये गये हैं, जहाँ पुलिस के जवान और सेवादार व्यवस्था संभालेंगे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि पं श्री मिश्रा दिनांक 9 जून 2023 को भोपाल पहुंचेंगे। इस अवसर पर नरेला विधानसभा अंतर्गत अन्ना नगर से कैलाश नगर, रचना नगर, ओल्ड सुभाष नगर, पंजाबी बाग, परिहार चौराहा, अशोक विहार, महामाई बाग, स्टेशन, चांदबड, सेमरा मंडी, सुभाष कॉलोनी, सम्राट कॉलोनी होते हुए विवेकानंद पार्क अशोका गार्डन तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। उन्होंने बताया कि शहर के 200 से अधिक सामाजिक संगठनों द्वारा पं. श्री मिश्रा का स्वागत किया जायेगा।

श्री शिव महापुराण कथा के बाद घर-घर होगा रूद्राक्ष का वितरण श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो इसके विशेष इंतजाम किये गये हैं। रूद्राक्ष वितरण को लेकर ऑन लाइन पंजीयन व्यवस्था की गई है। आमंत्रण पत्र पर दिये गये क्यूआर कोड को स्कैन एवं मिस्डकॉल कर पंजीयन किया जा रहा है। पंजीयन के पश्चात पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा अभिमंत्रित रूद्राक्ष घर-घर बांटे जायेंगे। 5 दिवसीय कथा में शामिल होने आ रहे भोपाल सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था के लिये शहर के लगभग 250 से अधिक सामाजिक संगठनों द्वारा धर्मशालाओं में व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कथा स्थल पर भी नाश्ते, पेयजल, शरबत व चिकित्सा शिविरों की भी व्यवस्था की जायेगी।

पाठक और यादव का स्वागत

भोपाल। भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के उपस्थिति में, भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ भोपाल के नव नियुक्त भानपुर मंडल संयोजक एडवोकेट केपी पाठक एवं मंडल सह संयोजक एडवोकेट राकेश यादव का भव्य स्वागत कर मिष्ठान वितरण किया गया एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया गया। स्वागत एवं शुभकामनाएं देने वालों में कैलाश सोनी, मुन्ना शुक्ला, विनोद साहू, धर्मेंद्र मालवीय, दीपक पांडे, बिंद्रपाल सिंह बाथम, कमलेश गंगेले, वीरेंद्र त्रिपाठी, बब्लू नायडू, राधेश्याम शिवहरे, सोहित राय, सुनील साहू तथा अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विष्णु शहस्त्र नाम के 108 पाठ पूरे

भोपाल। आज शुभ दिन मंगलवार को श्री विष्णु शहस्त्र नाम 108 पाठ पूर्ण होने के साथ श्री गणेश पूजन हवन, श्री हनुमान चालीसा पाठ संत हिर्दयराम नगर हुजूर विधान सभा में विधि विधान सभा से किया गया। इस दौरान मित्र मण्डल हुजूर विधान सभा के विष्णु विश्वकर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रीडिंग में लापरवाही बरतने वाले 2 आउटसोर्स मीटर वाचकों की सेवाएं समाप्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने के आरोप में सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंपनी कार्यक्षेत्र में कार्यरत 2 मीटर वाचकों को ड्यूटी से पृथक करने के साथ ही 35 मीटर वाचकों का वेतन काटा गया है। इसी प्रकार 213 मीटर वाचकों को कार्य में लापरवाही बरतने के चलते चेतावनी जारी की गई है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित मीटर की फोटो मीटर रीडिंग में लापरवाही बरतने और गलत मीटर रीडिंग लेने पर मीटर वाचकों पर सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। कंपनी कार्यक्षेत्र के संचारण संधारण वृत्त भिंड में 2 आउटसोर्स मीटर वाचक को सेवा से पृथक करने के साथ ही एक मीटर रीडर का वेतन काटा गया है तथा 15 मीटर वाचक को चेतावनी जारी की गई है। इसी प्रकार भोपाल में 13, रायसेन में 3, मुरैना में 1, गुना में 1, सीहोर में 2, राजगढ़ में 3, शिवपुरी में 1, नर्मदापुरम् में 3, श्योपुर में 4, दतिया में 1, अशोकनगर में 1 एवं विदिशा में 1 आउटसोर्स मीटर वाचक को आदेशों की अव्हेलना और मीटर वाचन में लापरवाही बरतने के आरोप में वेतन काटा गया है। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि उपभोक्ताओं के परिसर पर एक्युरेसी (शुद्धता) के साथ मीटर वाचन होना चाहिए और मीटर रीडिंग के आधार पर ही उपभोक्ताओं को विद्युत देयक दिए जाएं।

पिछड़ा वर्ग की विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में इस वर्ष 22 करोड़ का प्रावधान

भोपाल। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में इस वर्ष 22 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिये विदेश में भी शिक्षा के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करने के लिये संचालित की जा रही है। मुख्य रूप से अमेरिका, इंग्लैंड सहित अन्य यूरोपीय देशों के विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिये विद्यार्थियों को मदद दी जा रही है। पिछड़ा वर्ग के चयनित विद्यार्थियों को विदेशों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, पीएचडी एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिये विभाग द्वारा आर्थिक मदद प्रदान की जाती है। योजना में प्रतिवर्ष पिछड़ा वर्ग के 50 विद्यार्थी को विदेश में अध्ययन के लिये अवसर दिये जाते हैं। विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 में करीब 8 करोड़ रूपये की राशि फीस प्रतिपूर्ति के रूप में व्यय की गई।

निरंकारी सत्संग भवन में 10 को ज़ोन स्तरीय महिला संत समागम

भोपाल। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से ज़ोनलइंचार्ज अशोक जुनेजा एवम संयोजक महेश वीधानी जी के मार्गदर्शन में 10 जून शनिवार को सुबह 11 बजे से 2 बजे तक स्काईलेंड गार्डन के पास स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन बैरागढ में विशाल जोनस्तरीय महिला सन्त समागम होने जा रहा है यह संत समागम ग्वालियर से पधार रही ज्ञानप्रचारक सन्त बहन आशासिंह चौहान जी की पावन अध्यक्षता में होने जा रहा है। इस सन्त समागम में हजारों की संख्या में बहने उपस्थित होकर सत्संग का आनंद प्राप्त करेंगी इस सत्संग कार्यक्रम को विशाल रूप देने हेतु पिछले दो सप्ताह से तैयारियां की जा रही है घर घर मे जाकर सत्संग में आने का निवेदन किया जा रहा ताकि जन जन का कल्याण हो सके सन्त निरंकारी मण्डल बैरागढ के संयोजक महेश वीधानी ने समस्त श्रद्धालुगण बहनो से प्रार्थना की है कि इस सत्संग में आकर आशीर्वादों के पात्र बने। इस सन्त समागम में बैरागढ के अलावा भोपाल, गांधीनगर, मंडीदीप, बागसेवनिया, बैतूल, आमला,सुल्तानपुर, कायमपुर, इटारसी, हरदा, पिपरिया,ि खतवाई होशंगाबाद, ,नसरुल्लागंज, नजीराबाद, सीहोर, इछावर, आष्टा, गनियारी,ब्यावरा, एवं आसपास क्षेत्रो लगभग 2500 बहनो के आने की संभावना है।

जेपी कान्वेंट स्कूल के बच्चों का बेहतर प्रदर्शन

भोपाल। नवजीवन कॉलोनी कैची छोला स्थित जेपी कान्वेंट स्कूल अंग्रेजी माध्यम से नर्सरी से आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करता है जेपी कान्वेंट स्कूल की प्रिंसिपल पूनम उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ष की बोर्ड परीक्षा में पांचवी आठवीं कक्षा में छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा जेपी कान्वेंट स्कूल इस क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने का बेहतरीन प्रयास कर रहा है इसके साथ ही सामाजिक दायित्व को निभाते हुए जेपी कान्वेंट स्कूल पर गरीब वर्ग के छात्रों के लिए विशेष रियायत दी जाती है जिससे पैसे के अभाव में कोई शिक्षा से वंचित ना रहे।

नगर पंचायत बैराड़ के रहवासियों ने की राज्य मंत्री से मुलाकात मुलाकात

भोपाल। नगर पंचायत बैराड़ जिला शिवपुरी के रहवासियों ने मकान टुडे जाने के नोटिस को लेकर आज भोपाल में राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग सुरेश धाकड़ से मुलाकात की नगर पंचायत बैराड़ के अध्यक्ष मानती लक्ष्मण सिंह रावत ने बताया कि 25 साल से लोग मकान बनाकर रह रहे हैं शासन द्वारा उक्त भूमि को चरनोई की भूमि की बताकर मकान तोड़ने का नोटिस जारी किया गया करीब ढाई हजार मकान इससे प्रभावित हो रहे हैं इसको लेकर आज तक सुरेश धाकड़ लोक निर्माण विभाग राज्य मंत्री आजकल ऐसे 500 प्रभावितों के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात करवाई एवं आश्वस्त किया कि उन मकानों को आबादी घोषित किया जाएगा।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के नेचर्स क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डब्ल्यू डब्ल्यू एफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका विषय बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन था। इस प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें कि पलक राजपूत, बी.एड. द्वितीय समसत्र ने प्रथम, दिव्या प्रजापति, बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय, सोनम सिंह, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष ने तृतीय एवं शिवानी पटेल और सानिया अली, बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। पर्यावरण संरक्षण में सभी की सहभागिता आवश्यक है।

थिंक गैस ने भोपाल में पौधारोपण अभियान की अगुवाई की

भोपाल। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर थिंक गैस ने भोपाल में अपने सभी स्टेशनों पर पौधे रोपने की एक हरित पहल की जिसके तहत उसका लक्ष्य वनीकरण के साथ ही शहर में और इसके आसपास हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायता करना है।

इस हरित अभियान के अंतर्गत थिंक गैस ने इसमें सक्रिय भागीदारी के लिए आसपास के क्षेत्रों से बच्चों को आमंत्रित किया। थिंक गैस से वरिष्ठ अधिकारियों ने शहर के भीतर और साथ ही भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में बच्चों के साथ मिलकर पौधे लगाये। इन स्थानों पर स्थानीय स्तर पर चिन्हित पौधों की प्रजातियां लगाई गईं।

वर्ष 2022 में थिंक गैस ने अपने ग्राहकों को स्वच्छ ईंधन प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराके और व्यापक पौधारोपण, अपने ब्रांड एंबेस्डर सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ नया लाइव इट लार्ज कैंपेन शुरू किया

मुंबई एजेंसी। सीग्राम का रॉयल स्टैग हमेशा से ही सपनों को नए पंख लगाने, उन्हें पूरा करने और बिंदास जिंदगी जीने की भावना मिसाल रहा है। यह साल बेहद खास है क्योंकि ब्रांड नए लाइव इट लार्ज कैंपन के लांच के साथ एक महा बदलाव की यात्रा पर है। यह कैंपेन आज की जनरेशन की भावना और नजरिये को दर्शाता है, यह जनरेशन विशाल है जो कामयाबी के रास्तों की नई परिभाषा गढ़ने का प्रयास करती है। इस प्रभावशाली नए कैंपेन में आपको बॉलीवुड के पावरहाउस सुपरस्टार रणवीर सिंह नजर आएंगे, जो आज न केवल देश से सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं बल्कि अपनी जनरेशन के बेस्ट एक्टरों में भी उनका नाम लिया जाता है। ब्रांड के कैंपेन के नजरिये को दर्शाते हुए हम इसे संपूर्ण चाहते हैं, हम इसे आज चाहते हैं। हम हैं जनरेशन लार्ज। रणवीर रॉयल स्टैग की उभरती नई फिलोसफी को अच्छी तरह से चित्रित करते हैं यह हमारी जिंदगी है। हम इसे बिंदास जीते हैं।

संस्कार विद्यालय में ओडिशा रेल हादसे के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

संत हिरदाराम नगर। दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में ओडिशा रेल हादसे में 278 मृतकों को संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाज सेवी विष्णु बंसल, रामचन्द सभनानी, कन्हैयलाल मोटवानी, लाल ग्वालानी, विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा द्वारा दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष वासवानी ने कहा कि अभी जो ओडिशा में बड़ी रेल दुर्घटना हुई हे जिससे पूरा देश क्या सारा संसार ही आहत हुआ है। इस हादसे में कई लोग मारे गए, कई घायल हुए और कई मिसिंग भी है हम ईष्वर से प्रार्थना करते है कि ईष्वर मारे गए लोगो को अपने चरणों में स्थान दे और जो घायल उन्हें जल्द से जल्द ठीक करें। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने ओडिशा रेल हादसे में श्रद्धांजलि दी एवं ईश्वर से प्रार्थना की कि उनके परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर उपस्थित संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाजसेवी विष्णु बंसल एवं रामचन्द सभनानी ने भी ओडिषा रेल हादसे में मारे गए लोगो को श्रद्धांजलि देते हुए ईष्वर से प्रार्थना की कि उनकों अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार वालों को इस असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पीएण्डजी इंडिया ने पीएण्डजी शिक्षा समर्थित स्कूलों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टॉल किया

भोपाल। व्हिस्पर और विक्सो जैसे ब्राण्ड्स की निर्माता पीएण्डजी इंडिया ने विश्व पर्यावरण दिवस पर यह घोषणा की है कि देश में पानी के अभाव वाले क्षेत्रों में जल संरक्षण के अपने प्रयासों के तहत कंपनी ने नौ शहरों में पीएण्डजी शिक्षा द्वारा समर्थित स्कूलों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग (आरडब्यूएच) इंफ्रास्ट्रलक्कर इंस्टॉवल किया है। इस पहल का निष्पादन राउंड टेबल इंडिया के साथ भागीदारी में कोटा अहमदाबाद जोधपुर बद्दी उदयपुर भोपाल चेन्नई रायपुर और पॉन्डीचेरी में हुआ है। इसके साथ ही रेनवाटर हार्वेस्टिंग इंफ्रास्ट्र क्चर्स संयुक्त? रूप से हर साल लगभग 10 लाख लीटर पानी बचाने में सहायक होंगे जिसका इस्तेमाल स्कूल पीने से अलग हटकर दूसरे कामों में कर सकेंगे। वर्षाजल के संचय द्वारा इस पहल का लक्ष्य? इन स्कूलों द्वारा पानी की नगरपालिका से होने वाली आपूर्ति पर निर्भरता और इस्तेमाल को कम करना और भूमिगत जल के स्तर को सुधारने में मदद करना है। इसके अलावा स्कूलों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग इंफ्रास्सेक्टर की सुलभता से कम सुविधा.प्राप्तक क्षेत्रों के बच्चें भी छोटी उम्र से पर्यावरण संरक्षण की मूलभूत समझ और आवश्य कता को अपना रहे हैं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण में भी और मध्यस्थयताओं के माध्यम से पानी के मामले में सुरक्षित भविष्य बनाने की दिशा में योगदान देने के पीएण्डजी के प्रयास के अनुरुप है। पीएण्डजी शिक्षा पीएण्डजी इंडिया का प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम है और रेनवाटर हार्वेस्टिंग की पहल के माध्यम से कंपनी का लक्ष्य शिक्षा एवं स्थामयित्व को जोड़ना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य की पीढ़ी छोटी उम्र से ही स्थायी अभ्यासों को अपनाए।

पीएण्डजी इंडिया में खरीदारी एवं पर्यावरणीय स्थायित्व के प्रमुख पवन वर्मा ने कहा पीएण्डजी में हम पानी बचाने का महत्व और स्थायी विकास के लिये इसके महत्वपूर्ण आशयों को समझते हैं।

लाड़ली बहना योजना से मिलेगा बहनों को सम्मान और संबल: शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री बालाघाट जिले के मलाजखंड में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना महासम्मेलन में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। महिलाओं की ज़िंदगी बदल कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी ज़िंदगी का मक़सद है। मुख्यमंत्री चौहान बालाघाट जिले के मलाजखंड में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल हुए और 207 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री का जनजातीय वर्ग द्वारा पारंपरिक रूप नृत्य एवं वाद्य यंत्र के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोई भी बहन मजबूर नहीं रहेगी उन्हें मजबूत बनायेंगे। मैं अपनी बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूँगा। उन्होंने कहा कि पूर्व के दशकों में बेटी का जन्म होने पर माता-पिता के चेहरे पर मायूसी दिख जाती थी। साथ ही बेटी की परवरिश, पढ़ाई और विवाह की चिन्ता सताने लगती थी। गरीब वर्ग की इस व्यथा को दूर करने प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की गई। महिला सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई योजनाओं और कार्यक्रमों से जहाँ बेटियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदला है, वहीं प्रदेश के लिंगानुपात में वृद्धि भी हुई है। बालाघाट प्रदेश के उन ज़िलों में शामिल है जहाँ लिंगानुपात बहुत अच्छा है। यहाँ बेटा और बेटी को एक समान नज़रिए से देखा जाता है। आज मुझे बहनों से मिले प्रेम और स्नेह से काफ़ी ख़ुशी हो रही है। बेटी की हर एक साँस माता-पिता के लिए होती है वह इन्हें कभी नहीं भूल सकती।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं आज ख़ुशी से कहता हूँ कि 44 लाख से भी अधिक लाड़ली लक्ष्मी मेरी बेटियाँ है, बेटी बोझ नहीं वरदान है। उन्होंने कहा कि संपत्तियों की रजिस्ट्री अब महिलाओं के नाम पर हो रही हैं। सरकार ने यह फ़ैसला लिया था की स्थानीय निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। इसका असर यह हुआ है कि अब महिलाएँ पंच, सरपंच, पार्षद, जनपद, ज़िला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के पद पर हैं और वे सरकार चला रही हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 10 जून की शाम को लाड़ली बहना योजना की राशि बहनों के खाते में डाली जायेगी। बहनें अगले दिन 11 जून को इस राशि का बैंक आहरण कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि भाई होने के नाते मेरा भी यह फ़र्ज़ है कि मैं अपनी बहनों को कुछ तोहफ़ा दूँ। इसके लिए बहनों के खातों में प्रतिमाह 1000 रूपये की राशि दी जाएगी। इस राशि से बहनें अपनी जरूरत एवं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ 25 लाख पात्र बहनों के फॉर्म स्वीकृत किए जा चुके हैं। महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं की मैदानी स्तर पर निगरानी के लिये हर गाँव में लाड़ली बहना सेना बनाई जा रही है। बड़े ग्रामों में 21 महिला सदस्य एवं छोटे ग्रामों में 11 महिला सदस्य शामिल की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने बताया कि ज़िले में 3 लाख 53 हज़ार फॉर्म भरे गये हैं, जिसमें से 3 लाख 41 हज़ार खातों में डीबीटी कार्य पूर्ण हो चुका है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक अभिनव योजनाएँ संचालित हैं। लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने से प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का कार्य आसान हुआ है। योजना से मिलने वाली राशि से महिलाओं को छोटे-छोटे खर्चों के लिए अन्य लोगों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन से महिलाओं को जोड़ कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। मेरा संकल्प है कि प्रत्येक बहन की मासिक आय 10 हजार रूपये हो जाये।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि निर्धन परिवार के प्रतिभावान विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा देश ही नहीं बल्कि विदेशों में करवाने की ज़िम्मेदारी भी सरकार उठा रही है। आर्थिक स्थिति पढ़ाई में बाधक नहीं बनने देंगे। उन्होंने हाल ही में प्रारम्भ की गई मुख्यमंत्री सीखो और कमाओ योजना की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने काजल मेश्राम को खगोल वैज्ञानिक बनने की पढ़ाई के लिए विदेश अध्ययन योजना का लाभ मंच से दिया। काजल ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि ऑस्ट्रेलिया जाकर पढ़ाई करने में मुख्यमंत्री जी का साथ मिलेगा। सम्मेलन को पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री चौहान ने लाड़ली बहना सम्मेलन में जनता के बीच जाकर उनका अभिवादन किया। कन्या-पूजन और दीप प्रज्जवलन कर सम्मेलन की शुरूआत हुई। मुख्यमन्त्री चौहान नेमलांजखंड महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की कक्षाएँ शुरू करने, बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य एवं खेल मैदान का समतलीकरण, मलाँजखंड नगर में डिवाइडर और सौंदर्यीकरण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री चौहान ने मलांजखण्ड के वार्ड क्रमांक 7 पौनी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की हितग्राही संतोषी गहरवार, पुष्पा गहरवार, पुष्पा वासुदेवे, किरण मुकुटधारी, देवकी मरकाम, ज्योति राठौर एवं सुकवती धुर्वे के घर जाकर उन्हें स्वीकृति-पत्र प्रदान किये। उन्होंने कहा कि अब हर माह 1000 रूपये उनके खाते में आएंगे। एक साल में 12 हजार रूपये मिलेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने इस दौरान हितग्राही महिलाओं से उनके परिवार, बच्चों और उनकी आजीविका की जानकारी ली। मुख्यमंत्री चौहान के घर पधारने पर महिलाओं ने उनका स्वागत एवं सत्कार किया। घर के दहलीज पर मुख्यमंत्री चौहान के कदम रखते ही महिलाओं ने पुष्प-वर्षा एवं तिलक लगा कर उनका स्वागत किया और अपने भैया शिवराज को राखी भेंट की।

ढाई साल की बेटी प्रियंका का इलाज राज्य सरकार कराएगी: मुख्यमंत्री चौहान को लाड़ली बहना किरण मुकुटधारी ने बताया कि उसकी ढाई साल की बेटी प्रियंका के बोनमेरो का इलाज कराने में परिवार सक्षम नहीं हैं। इस पर मुख्यमंत्री चौहान ने किरण को आश्वस्त किया कि चिंता न करें, बेटी प्रियंका का इलाज राज्य सरकार करायेगी। उन्होंने नन्ही बालिका प्रियंका को गोद में लेकर स्नेह और आशीर्वाद दिया।

समय से इलाज मिलने पर बच पाई घायलों की जान

राजस्व एवं परिवहन मंत्री के पुत्र ने अपनी कार से घायलों को पहुंचाया अस्पताल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कहते हैं पता नहीं किस रूप में आ कर नारायण मिल जाते हैं यह पंक्तियां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के पुत्र आकाश सिंह राजपूत पर चरितार्थ होती नजर आ रही है जब लहूलुहान पड़े सड़क के किनारे दो घायलों को आकाश सिंह राजपूत ने अपनी गाड़ी में तुरंत अस्पताल पहुंचाया जिससे उनकी जान बच पाई घटना मंगलवार की रात ग्राम बिछुआ के पास की है जहां से रात लगभग 9ः00 बजे आकाश सिंह राजपूत एक शादी समारोह से लौट रहे थे कि तभी ग्राम बिछुआ के पास 2 लोग लहूलुहान तड़पते हुए नजर आए यह देख आकाश राजपूत ने अपनी गाड़ी रोकी तथा दोनों घायलों को अपनी निजी कार से बीएमसी ले गए जहां अपने सामने ही इन घायलों का इलाज शुरू कराया।

एक गंभीर घायल को तुरंत ही भोपाल पहुंचाया गया जानकारी के अनुसार घायल व्यक्तियों में एक व्यक्ति का नाम गणेश राम ठाकुर हैं जो ग्राम सेवन के निवासी हैं तथा दूसरे का नाम राम प्रकाश ठाकुर है जो ग्राम ढाकरई के निवासी हैं आकाश सिंह राजपूत खुद लहूलुहान दोनों व्यक्तियों को स्ट्रेचर पर अस्पताल में ले जाते हुए नजर आए राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के पुत्र आकाश सिंह राजपूत के तुरंत निर्णय से 2 लोगों की जान बच गई ।

क्योंकि अगर आकाश सिंह राजपूत मौके पर एंबुलेंस का इंतजार करते तो घायलों के इलाज में बहुत देरी हो जाती बीएमसी के चिकित्सकों का कहना है कि अगर घायलों को समय पर इलाज नहीं मिलता तो उनकी जान बचाना बहुत मुश्किल होता मौके पर आकाश राजपूत ने जब एंबुलेंस को फोन लगाया था तो एंबुलेंस को आने में समय लग रहा था जिसके कारण आकाश सिंह राजपूत ने बिना देरी किए अपनी कार में दोनों घायलों को लेकर अस्पताल पहुंचे इतना ही नहीं जो साथी आकाश है राजपूत के साथ कार में सवार थे उन्हें दूसरे वाहन से आने के लिए बोल कर तुरंत बीएमसी लेकर आकाश राजपूत घायलों को पहुंचे जिससे उनकी जान बच गई।

बजरंग सेना का कांग्रेस पार्टी में विलय

कमलनाथ के नहीं, जय-जय श्री राम ने नारे लगायें: कमलनाथ

भोपाल। बजरंग सेना के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों सहित हजारों की संख्या में भगवा ध्वज के साथ एक भव्य रैली के रूप में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे बजरंग सेना के पदाधिकारियों और हजारों समर्थकों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने स्वागत किया, यह अवसर था बजरंग सेना का कांग्रेस पार्टी में विलय का।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री दीपक जोशी के नेतृत्व में बजरंग सेना का कांग्रेस पार्टी में विलय हुआ, बजरंग सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनीश पटेरिया, संयोजक रघुनंदन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अम्बरिस राय, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र ठाकुर सहित हजारों की संख्या में बजरंग दल के सदस्यों का कांग्रेस में विलय हुआ। बजरंग सेना के पदाधिकारियों ने श्री कमलनाथ को गदा और स्मृति चिन्ह भेंट कर जयश्री राम के नारे के साथ प्रदेश से भाजपा को ध्वस्त करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीहोर की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बरैठा, भूपेन्द्र सिंह, राम शंकर मिश्रा और अरूण पाठक ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री कमलनाथ ने इस अवसर पर जयश्रीराम का उद्घोष करते हुए बजरंग सेना का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शिवराज जी को अब बहनों की, नौजवानों की और कर्मचारियों की याद आने लगी है, अब तक 20 हजार से ज्यादा घोषणाएं वे कर चुके हैं, जिनका जमीन कोई अता-पता नहीं है, 18 वर्ष की भाजपा सरकार का पाप का घड़ा भर गया है और इसी पाप को धोने का अब काम शिवराजजी डबल स्पीड़ की झूठी घोषणा मशीन चलाकर और जगह-जगह नारियल फोड़कर कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी यह झूठ की मशीन काम करने वाली नहीं है, क्योंकि जनता ने अब उनकी झूठी सत्ता को समाप्त करने का मन बना लिया है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से भारत की संस्कृति और संविधान के साथ चलने का रहा है। मुझे आप सभी पर पूरा विश्वास है कि आप मप्र का भविष्य सुरक्षित रखेंगे।

श्री पटेरिया ने कांग्रेस में विलय पर कहा कि सभी पदाधिकारी और हजारों की संख्या में प्रदेश भर से आये कार्यकर्ताओं ने कमलनाथ जी की भावनाओं और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को अपनाया है, हम सभी विश्वास दिलाते हैं कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की छल-कपट, धोखे और फरेब की सरकार को जमीदोज कर कमलनाथ जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाने के लिए दृढ़संकल्पित है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्षगण चंद्रप्रभाष शेखर, पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा, उपाध्यक्ष राजीव सिंह, प्रकाश जैन, जे.पी. धनोपिया, गुरमीतसिंह मंगू सहित बड़ी संख्या में प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, कांग्रेस कार्यकर्ता सहित बजरंग सेना से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुये पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डब्लूडब्लूएफ के विशेषज्ञों ने जनजातीय शिक्षकों को दिया ग्रीन-कैंपस का प्रशिक्षण

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर जनजातीय कार्य विभाग द्वारा ग्रीन-कैंपस अभियान पर केन्द्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रदेश के 20 जनजातीय जिलों के शिक्षकों को डब्लू.डब्लू.एफ. इंडिया ने पर्यावरण से जुड़े नवाचार एवं गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन सभी ने विद्यालय एवं अपने आवास परिसर में पौध-रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सतपुड़ा भवन में डब्लू.डब्लू.एफ. की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य संचालक संगीता सक्सेना ने वर्चुअली शिक्षकों से पी.पी.टी. और लघु फिल्मों से संवाद किया। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जनजातीय विद्यार्थियों की संवेदनशीलता को सही दिशा देने और उनमें पर्यावरण के प्रति वैज्ञानिक जागरूकता विकसित करने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि अगर हम इस तरह ही प्लास्टिक का अंधाधुंध उपयोग करते रहे तो आने वाले दशकों में पर्यावरण एवं जीव-जंतुओं पर दुष्प्रभाव पड़ेगा और उसके परिणाम भयावह होंगे। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम वैश्विक स्तर पर वन्य-जीवों और पर्यावरण पर प्लास्टिक प्रदूषण के विपरीत प्रभाव पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया।

कला और संस्कृति से जुड़े विषयों पर हुआ कार्यशालाओं का आयोजन

मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट के मास्टर शिल्पी युसूफ खत्री एवं बिलाल खत्री हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सोसायटी फॉर दा प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एण्ड कल्चर अमंग्स्ट यूथ (स्पिक मैके) के 8वें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर विश्वेश्वरैय्या राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान नागपुर, (महाराष्ट्र) में 29 मई से 4 जून 2023 तक आयोजित कला तथा संस्कृति से जुड़े विषयों पर अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन में मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट के मास्टर शिल्पियों को भी आमंत्रित किया गया था। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन पर प्रसंशा व्यक्त करते हुए कहा कि शास्त्रीय संगीत तथा लोक कलाओं में निहित सांस्कृतिक गौरव से जन-जन को, विशेषकर युवाओं को जोड़ने में स्पीक मैके द्वारा किए जा रहे प्रयास उल्लेखनीय है। कलाएं हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रहीं हैं। ऐसे में देश की सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन के लिए स्पीक मैके जैसे संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्य ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की भावना को मजबूत कर रहे है।

इस कार्यशाला में पूरे देश से लगभग 1200 छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा लगभग 300 कलाकारों ने भी भाग लिया। राष्ट्रीय कार्यशाला में कलाकृति बनाने, अभ्यास तथा कला का प्रदर्शन करने से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही संगीत, योगा, सांस्कृतिक आदि गतिविधियों से जुड़े विषयों पर भी कार्यशाला में विस्तार से जानकारी दी गई।

अधिवेशन के दौरान बाग प्रिंट के मास्टर क्राफ्ट्समेन शिल्प गुरु नेशनल अवार्डी मोहम्मद युसूफ खत्री एवं नेशनल अवार्डी मोहम्मद बिलाल खत्री ने स्पिक मैके में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुए।

एमपी सीटीआर एनसीसी भोपाल के वार्षिक शिविर में योग प्रशिक्षण

योग करने से आत्मविश्वास बढ़ता है एवं जीवन में अनुशासन आता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। एमपी सीटीआर एनसीसी भोपाल के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में पूरे देश के अलग अलग राज्यों से आयें कैडेटस को योग अभ्यास का प्रशिक्षण योग गुरु महेश अग्रवाल द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कमांडिंग आफिसर कर्नल एच शुकूर ने कहा 1988 में राष्ट्रीय कैडेट कोर का उद्देश्य निर्धारित हुआ था तथा यह समय की कसौटी पर खरा उतरा है और देश की वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में भी अपेक्षित आवश्यकता को पूरा कर रहा है। एन सी सी का लक्ष्य युवाओं में चरित्रनिर्माण, कामरेडशिप, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है।

एम्स के प्रतिनिधिमंडल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

1 जून से 4 जून तक शिलॉन्ग में प्रतिष्ठित नॉर्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन फोरेंसिक मेडिसिन एंड लीगल साइंसेज पर संपन्न हुआ। सम्मेलन में देश के 23 राज्यों और 5 देशों के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में फोरेंसिक चिकित्सा और कानूनी विज्ञान में प्रगति और चुनौतियों पर मूल्यवान चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में प्रसिद्ध पेशेवरों और विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल से एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें डॉ. अर्नीत अरोड़ा, डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ, डॉ. मोइरांगथेम संगीता (वरिष्ठ रेजिडेंट) और डॉ. सिबी विजयकुमार (जूनियर रेजिडेंट एकेडमिक) शामिल हैं, ने सम्मेलन के दौरान असाधारण शोध पत्र प्रस्तुत किए एवं विशेषज्ञता के अपने संबंधित क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ अरनीत अरोड़ा ने पोस्टमॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी विकास और प्रयोज्यता विषय पर प्रस्तुति दी। उनके व्यावहारिक शोध ने पोस्टमॉर्टम माइक्रोबायोलॉजी के उभरते क्षेत्र और फोरेंसिक जांच में इसके व्यावहारिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। एम्स भोपाल देश का पहला और एकमात्र संस्थान है जहां पोस्ट मार्टम माइक्रोबायोलॉजी शुरू की गई है और विकसित की जा रही है। डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ के शोध पत्र एस्टीमेशन ऑफ टाइम सिंस डेथ यूजिंग बायोकेमिकल मार्कर्स इन साइनोवियल फ्लूइड द्वारा सिनोवियल फ्लूइड में पाए जाने वाले जैव रासायनिक मार्करों का उपयोग करते हुए मृत्यु के बाद के समय के आकलन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। उनके अभिनव दृष्टिकोण ने फोरेंसिक विश्लेषण में इन मार्करों की क्षमता का योगदान प्रदर्शित किया। डॉ. मोइरंगथेम संगीता, सीनियर रेजिडेंट स्नरूज्ञ, ने हिस्टोपैथोलॉजी इन ओपन मेडिकोलेगल ऑटोप्सी केसः ए रिवार्डिंग परस्यूट शीर्षक से अपनी प्रस्तुति में अपनी विशेषज्ञता साझा की। उनके व्यापक अध्ययन ने मेडिकोलीगल ऑटोप्सी में हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे मृत्यु के कारण और तरीके के सटीक निर्धारण में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया। उनके अध्ययन से पता चलता है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा शव परीक्षण मामलों में मृत्यु के कारण का निदान करने में मदद कर सकती है, जिसमें मृत्यु का कारण शव परीक्षण में स्पष्ट नहीं था। डॉ. सिबी विजयकुमार (एमडी छात्र) की ऑटोप्सी एंड क्रिमिनल जस्टिस पर विचारोत्तेजक प्रस्तुति ने ऑटोप्सीज़ और आपराधिक न्याय प्रणाली के बीच जटिल संबंधों की पड़ताल की। डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ को क्लिनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन में इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिको-लीगल एक्सपर्ट्स (आईएएमएलई) की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित मान्यता क्षेत्र में डॉ. विदुआ के उत्कृष्ट योगदान और क्लिनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन को आगे बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एम्स भोपाल ने 38वीं रैंक के साथ पहली बार एनआईआरएफ की रैंकिंग में अपनी जगह बनाई

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने वर्ष 2023 की नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क में 38वीं रैंक हासिल कर पहली बार अपनी जगह बनाई है। इसने देश भर में चिकित्सा क्षेत्र से भाग ले रहे 176 संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा के बाद यह स्थान हासिल किया है। रैंकिंग फ्रेमवर्क कई श्रेणियों के अंतर्गत संस्थानों का मूल्यांकन करता है, जिसमें मरीज की देखभाल, अनुसंधान, छात्रों का प्लेसमेंट में प्रदर्शन और स्नातक के बाद उच्च अध्ययन के लिए छात्रों का चयन शामिल हैं। संस्थान के छात्रों ने देश भर के उच्च रैंक वाले संस्थानों और विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में स्थान हासिल किया हैं। एम्स भोपाल के फैकल्टी और छात्रों ने भी अपना अनुकरणीय शोध कार्य प्रदर्शित किया है और अनेक पुरस्कार जीते हैं।

आज तक इस रैंकिंग में एम्स भोपाल नहीं आता था। यह पहली बार है जब एम्स भोपाल को इसमें 38वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संस्थान तेजी से प्रगति कर रहा है। उनका यह प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन एम्स भोपाल को देश के शीर्ष संस्थानों में स्थापित करने के लिए बहुत आवश्यक है।

सम्पादकीय

और उलझ गई पायलट की पहेली

क्या वाकई सचिन पायलट नई पार्टी बनाएंगे? या फिर कांग्रेस में ही रहकर संघर्ष करेंगे? ये सवाल राजनीतिक गलियारों में गूंज रहे हैं, क्योंकि सचिन के नई पार्टी बनाने से केवल राजस्थान ही नहीं, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश, हरियाणा जैसे राज्यों में भी इसका असर पड़ सकता है। प्रगतिशील कांग्रेस और राज जन संघर्ष पार्टी नाम की दो पार्टियों को सचिन पायलट का बताया जा रहा है, लेकिन पायलट खेमे ने इससे साफ इनकार किया है और दावा किया है कि सचिन पायलट की इन पार्टियों में भागीदारी नहीं है।

सचिन पायलट खुद कांग्रेस पार्टी को छोड़ना नहीं चाहते हैं, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें पॉलिटिकल नुकसान होगा। इसलिए अभी कांग्रेस हाईकमान के आगामी स्टैंड का इंतजार किया जा रहा है। पायलट जानते हैं कि उनके साथ एक पूरा समाज है, जो भले ही कांग्रेस के पक्ष में वोट करता आ रहा है, लेकिन पार्टी छोड़ने पर पूरा समाज उनके साथ चला जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता है। साथ ही राजस्थान में उन्हें फिलहाल सहानुभूति मिलने की उम्मीद की जा रही है, पार्टी छोड़ने से वह हाथ नहीं आएगी। ऊपर से गहलोत खेमा फिर से आरोपों की झड़ी लगा देगा। इसलिए सचिन पायलट पार्टी के अंदर रहकर ही संघर्ष करना चाहते हैं।

वह अपनी मांगों को मनवा कर दमखम दिखाना चाहते हैं। इसके लिए सचिन पायलट खेमे के मंत्री, विधायक और नेता लगातार पार्टी और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। और अलग पॉलीटिकल पार्टी बनाने की अफवाहें भी इसी का एक रणनीतिक हिस्सा बताई जा रही हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी यादि सचिन पायलट पर कोई एक्शन लेती है, तो उसके लिए पायलट के पास प्लान भी तैयार है। जिसका खुलासा सचिन पायलट और उनके समर्थक नेता बिल्कुल भी करना नहीं चाहते हैं।

कांग्रेस हाईकमान की सीएम अशोक गहलोत और डिप्टी सीएम सचिन पायलट के साथ पिछले दिनों दिल्ली में हुई समझाइश बैठक और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के गहलोत-पायलट के साथ आकर मीडिया को दिए बयान के बाद भी विवाद अनसुलझा ही है। बैठक के बाद सचिन पायलट टोंक में अपने विधानसभा क्षेत्र पहुंचकर स्पष्ट कर चुके हैं कि पेपर लीक मुद्दे, आरपीएससी में आमूल चूल परिवर्तन और पिछली वसुंधरा सरकार के कथित भ्रष्टाचार और घोटालों की जांच की मांगों के मुद्दे से वो पीछे हटने वाले नहीं हैं ।

सचिन पायलट के अल्टीमेटम का समय मई में खत्म हो चुका है। उसके बाद एक हफ्ता और निकल चुका। लेकिन अब तक उनकी एक भी मांग नहीं मानी गई है। सीएम गहलोत की तरफ से तो पायलट को शांत करने के लिए एक कदम भी आगे नहीं बढ़ाया गया, उलटे उनके खेमे द्वारा उन्हें भड़काने के ही प्रयास किए जाते रहे हैं। माना जा रहा है इस बैठक में पायलट की मांगों पर सरकार ने अहम निर्णय नहीं किए, तो राहुल गांधी के विदेश दौरे से लौटने पर एक और दौर की वार्ता सचिन पायलट और अशोक गहलोत के साथ कांग्रेस हाईकमान की होगी। फिलहाल ये कहा जा सकता है कि पायलट खेमा नई पार्टी के नाम पर प्रयोग कर रहा है, कांग्रेस नेतृत्व आगे क्या कदम उठाता है, इसका इंतजार किया जा रहा है। यह तय है कि पायलट चुनाव के पहले कोई बड़ा फैसला अवश्य ले सकते हैं।

प्रिय भैया के नाम बहना की पाती

कब तक मासूम बच्चे लापरवाही का शिकार होते रहेंगे ?

स्वाति तिवारी

कब तक प्रदेश में मासूम बच्चे लापरवाही का शिकार होते रहेंगे ,कब तक बच्चे यूँ ही अकाल मृत्यु की और धकेले जाते रहेंगे। कोई नियम ,कोई कानून क्यों लोगों को भय पैदा नहीं कर पा रहे है? सरकार केवल बोलती है लेकिन क्या किसी बोरवेल के मालिक को या बोरवेल कंपनी को कड़ी सजा की खबर सुनने में आई अब तक? अब प्रदेश में फिर एक बच्ची अपनी साँसों का संघर्ष कर रही है।

खुले बोरवेल मतलब मौत के कुंए ! मामाजी, इन बच्चों को केवल तिलक लगा कर आरती उतारने या लाडली बेटी कहने के साथ ही इनकी सुरक्षा की भी जरुरत है। हर दो चार माह में कोई भांजी या भांजा बोरवेल में अपनी जान गंवा देता है या एक एक साँसों के लिए प्रशासन का कर्जदार होता जाता है ? लाखों रुपये और मानव संसाधन बच्चों को निकालने में खर्च हो जाते है .क्या इस और प्रशासन ध्यान नहीं दे सकता कि बोरिंग करवाने के पहले सरकारी अनुमति अनिवार्य कर दी जाय और कार्य होने या ना होने पर सूचना अनिवार्य रूप से दी जाय।

प्रशासन का कोई व्यक्ति जाकर खातरी करे बोरिंग को कवर करके एक सुरक्षा बाउंड्री बनायी गयी है या नहीं? हमें भूलने की आदतें है, हमने हादसों से सबक लिए क्या? पिछले प्रकरणों पर हत्या के केस चलाये गए? क्या उनका कोई मुक़दमा फास्ट ट्रैक के तहत चलाया गया?

आज फिर एक सृष्टि जीवन मृत्यु के बीच फंसी है। 50 फीट के गहरे अँधेरे धूल भरी भयावह सुरंग में। ये बच्ची आपकी लाडली बहना के आँचल की सुरक्षा में

महफूज क्यूँ नहीं है? गोद भराई करने वाली सरकारें भरी गोद के बच्चे बचाने की दिशा में क्या कर रही है? सरकारों का ध्यान चुनावों पर ज्यादा होता है। आम जनता तो उनके लिए रेल हादसों में मरने वाली एक संख्या मात्र है, दो चार दिन का रंगमंच पर मातम बस ?

उनसे पूछिये जिनके घरों से कोई मरा है इन हादसों में। दस लाख के मुआवजे फिर गोद नहीं भर सकते? सुहाग नहीं लौटा सकते? हम हादसों को दुर्भाग्य कह कर अपनी ही कचोटती आत्मा को तुष्ट करा रहे होते है?

सीहोर के मुंगावली गांव में ढाई साल की सृष्टि 300 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई है। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम के राहत बचाव के कार्य सतत जारी है, सोलह घंटे से प्रयास जारी है। खबर है कि बच्चे की कोई हलचल नहीं है, तमाम टेक्नोलोजी का उपयोग होने के बावजूद क्या बच्चा बच पायगा?

अभी विदिशा के जख्म भरे भी नहीं थे, आपके ही विदिशा क्षेत्र में बोरवेल में गिरने से हुई सात साल के बच्चे की मौत का घाव अभी रिस रहा होगा उन माँ -बाप का! ग्राम खेरखेड़ी पठार स्थित खेत के कब्जेदार रमको बाई और नीरज अहिरवार ने लापरवाही और उपेक्षापूर्ण तरीके से बोरवेल के गड्ढे को खुला छोड़ दिया.लोकेश अहिरवार की मौत और अब राहुल कुशवाहा की बेटी सृष्टि कुशवाहा? प्रशासन बौखला जाता है रेस्क्यू ओपरेशन में पत्रकारों के सवालों पर लेकिन परिणाम सो दिन चले अढाई कोस? नतीजे हमेशा की तरह ढाक के तीन पात ?

सृष्टि अगर सुरक्षित नहीं तो स्मरण रहे यह कहावत जिसके अनुसार पाप और पुण्य में विश्वास करने वाले धर्म में एक भांजी या एक भानेज 100 ब्राह्मण कही जाती है हमारे सनातनी शास्त्रों में लव जिहाद, धर्मान्तरण, जियो मेरी बहना जैसेमुद्दों से भी बहुत ज्यादा जरुरी मुद्दे है देश-प्रदेश में।

हम बहनों को अपने बच्चों की हर तरह की सुरक्षा चाहिए। हमें हमारे बच्चों को लिए एक लेपटोप से भी ज्यादा जरूरी है रोजगार। हमें हजार रुपये की खैरात नहीं, घरेलू रोजगार का मार्केट चाहिए। हमें भाषणों की नहीं भरोसों की जरुरत है। हमें लोकेश और सृष्टि के जीवन की जरुरत है। कठोर कानून बना दीजिये पोक्सो जैसा बोरवेल या कोई भी अधूरे कच्चे निर्माण के साथ हुए हादसे के लिए मालिक, निर्माता कंपनी और सम्बन्धित अनुमति दाता जिम्मेदार माना जायगा। भले ही फिर वह घर के बाहर एक नाली ही क्यों ना बनानी हो,तत्काल जिम्मेदारी निर्धारित की जाय।

हादसों की मौत को दुर्घटना नहीं हत्या के मुकदमें चलाये जाए .और रेल मंत्री जी से कहिये मगरमछ के आंसू नहीं इस्तीफा दीजिये। माना की रेल मंत्री जी एक ब्यूरोकेसी से निकले समझदार व्यक्ति है लेकिन सदी के सबसे बड़े हादसे के अप्रत्यक्ष जिम्मेदार तो है ही ,नैतिकता के तकाजे भी होते है।

बोरवेल में अब तक कितने बच्चे गिरे और सरकारों ने कौन से नियम प्रसारित किये? जिस तरह से नयी योजनाओं के विज्ञापन जारी होते है क्या किसी मीडिया में किसी कानून का पालन ना करने पर सजा के विज्ञापन बने? जानती हूँ ,जनता नाराज हो जायगी, यह समय नाराज करने का नहीं है नाजुक समय है, मुझे नजाकत को समझाना चाहिए।

बिहार में एक नदी पर करोड़ों का पूल ताश के पत्ते सा गिरते हुए देख कर भी हमारा खून नहीं खौलता ,तो एक बच्चे के गिरने पर मुझे बवाल नहीं करना चाहिए, पर कल्पना तो करिए एक माँ के दर्द की जो 9 माह एक एक पल उस बच्चे के आने के इन्तजार में सब सह लेती है, गर्भ में भी उसकी हलचल को जीती है, उसकी बच्ची 17 घंटे से बिना हलचल के मौत के अँधेरे कुंए में फंसी है, उस लाडली बहना को सर्टिफिकेट नहीं उनके जीवन की सृष्टि चाहिए, मेरा हाथ जोड़कर निवेदन है अपनी दृष्टि बदलिए मामाजी ! मुझे विश्वास है एक बहन की यह चिठ्ठी आपके दिल हो जरुर छुएगी।

एक चुनौतीः आत्महत्या करता अन्नदाता

राकेश दुबे

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट यानी सीएसई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में भारत में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10881 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि वर्ष 2021 में प्रतिदिन आत्महत्या करने वालों की संख्या तीस रही थी। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिये निश्चित ही यह शर्मनाक स्थिति कही जायेगी कि एक साल के भीतर उसके दस हजार से ज्यादा किसान व खेती से जुड़े श्रमिक आत्मघाती कदम उठायें।मध्यप्रदेश इस अवधि में किसानों की आत्महत्या करने वाले प्रदेश में तीसरे स्थान पर था।

उल्लेखनीय है कि इस एक साल में मरने वालों का आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक रहा है। निश्चय ही यह चुनौतीपूर्ण समय था जब देश विश्वव्यापी कोरोना संकट से जूझ रहा था। वहीं किसान केंद्र सरकार द्वारा लाये गये तीन कृषि सुधारों के खिलाफ खड़ा था। उल्लेखनीय भी है कि वर्ष 2021 में सबसे अधिक आत्महत्या करने वाले किसानों व खेतिहर मजदूरों का आंकड़ा महाराष्ट्र में 4064 रहा। उसके बाद कर्नाटक में 2169 तथा फिर तीसरे नंबर पर मध्यप्रदेश में यह आंकड़ा 671 रहा। वहीं खाद्यान्न का कटोरा कहे जाने वाले पंजाब व हरियाणा में आत्महत्या करने वाले किसानों व खेतिहर श्रमिकों की यह संख्या 270 और 226 रही। इससे पहले वर्ष 2016 में करीब 11,379 कृषि कर्म से जुड़े सर्वाधिक लोगों ने आत्महत्याएं की थी।

निस्संदेह यह हम सब की चिंता का विषय होना चाहिए कि पिछले वर्षों में इन आंकड़ों में गिरावट के बाद वर्ष 2021 में फिर आत्महत्या के मामलों में तेजी कैसे आई है? वास्तव में इस आंकड़े में तेजी की एक बड़ी वजह हाल के दिनों में मौसम के मिजाज में आए अप्रत्याशित बदलाव के चलते खाद्यान्न उत्पादन में आई गिरावट रही भी है। दरअसल, फसलों पर कीटों के प्रभाव तथा उपज के दाम में गिरावट के चलते किसानों के लिये लागत पाना भी कठिन हो गया। देश के बड़े हिस्से में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ भी नहीं मिल रहा है। किसान अपने घाटे को पूरा करने के लिये अकसर ऋण लेते हैं और फिर कर्ज के जाल में फंसकर रह जाते हैं। एजेंटों द्वारा अपमान व हताशा के बीच उन्हें आत्महत्या ही वैकल्पिक रास्ता लगता है।

आज किसानों के लिये खेती घाटे का सौदा साबित हो रहा है। यही वजह है कि या तो किसान आत्महत्या कर रहे हैं या फिर उनके बच्चे बेहतर भविष्य की चाह में खेती छोड़ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि केंद्र व कुछ राज्यों की सरकार ने किसानों को सब्जबाग दिखाते हुए जिस आय को दुगनी करने का वायदा किया था, उसका क्या हुआ? आज तत्काल रूप से किसानों के संरक्षण के लिये ऐसी नीतियों के क्रियान्वयन की जरूरत है जो किसानों को उनकी उपज का न्यायसंगत दाम दिला सके। यह दुःख की ही बात है कि जो अन्नदाता किसान अपने खून-पसीने की मेहनत से देश की खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान देता है, हम उसके जीवन की रक्षा नहीं कर पाते। किसान की आय बढ़ाने के लिये विभिन्न सरकारों ने जिन नीतियों की घोषणा की थी, उनका व्यावहारिक धरातल पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि हकीकत में उसका लाभ किसानों को क्यों नहीं मिल रहा है।

आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से फसलों पर जो घातक असर पड़ रहा है उससे उबरने के लिये किसानों को हर स्तर पर कैसे मदद की जाए।कुछ ऐसे प्रयास हों जिससे किसानों का मनोबल ऊंचा हो। साथ ही मौसम के अतिरेक से फसलों को बचाने और उत्पादन बढ़ाने के लिये फसलों का विविधीकरण करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्नत किस्म के बीज तैयार करने होंगे जो कम पानी और उच्च ताप में भी पर्याप्त उत्पादकता देने वाले हों। इसके लिये कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों को युद्धस्तर पर प्रयास करने होंगे। अन्यथा न केवल किसानों की बड़ी क्षति होगी बल्कि देश की खाद्यान्न सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। यह भी हकीकत है कि देश का कोई भी किसान व कृषि श्रमिक तभी मौत को गले लगाता है जब उसे अपने लिये सभी दरवाजे बंद नजर आते हैं।

कानून और न्यायः विधि जगत में वरिष्ठ अभिभाषकों का आशय अलग

विनय झैलावत

कई अभिभाषकों के नाम के आगे वरिष्ठ अभिभाषक लगाया जाता है। लेकिन, यह गलत है। अनुभवी अभिभाषक होने के बाद भी सबके नाम के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता नहीं लगाया जा सकता। विधि जगत में वरिष्ठ अभिभाषक घोषित करने की एक अलग प्रक्रिया है। वरिष्ठ अभिभाषकों पर कई प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उन्हें अधिक मान-सम्मान भी मिलता है। इस संबंध में अलग से कानून और प्रक्रिया है।

सामान्यतया वरिष्ठता का आशय उम्र एवं अनुभव से लगाया जाता है। लेकिन, विधि जगत में अभिभाषकों के मामले में इसका एक विशिष्ट अर्थ होता है। यह अर्थ सामान्य अर्थ से अलग होता है। वरिष्ठ अभिभाषक एक अभिभाषक के रूप में उनका सर्वोच्च सम्मान है। किसी भी अभिभाषक को वरिष्ठ अभिभाषक घोषित करने की एक कठिन कसौटी होती है। इस कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही सर्वोच्च न्यायालय/उच्च न्यायालयों द्वारा एक अभिभाषक को वरिष्ठ अभिभाषक घोषित किया जाता है। इसकी एक विशिष्ट प्रक्रिया और कानून है। वरिष्ठ अभिभाषक का जहां 'विशिष्ट सम्मान' और स्थान होता है वही उन पर कई प्रतिबंध भी होते हैं। वरिष्ठ अभिभाषक बगैर सहायक अभिभाषक के न्यायालय में पैरवी नहीं कर सकते हैं। वे स्वयं अभिवचन एवं प्रारूप तैयार नहीं कर सकते हैं। वे सूचना पत्र भी नहीं दे सकते हैं। ऐसे कई काम, उनके सहायक अभिभाषक करते हैं। वरिष्ठ अभिभाषक कनिष्ठ अभिभाषक द्वारा बनाए गए केवल उस प्रारूप को अंतिम रूप देते हैं। सबसे बड़ा सम्मान तो यह होता है कि एक वरिष्ठ अभिभाषक बगैर वकालतनामे के सहायक अभिभाषक के निर्देशों पर उसके प्रकरण में देश के किसी भी न्यायालय में उपस्थित होकर पैरवी कर सकता है। वरिष्ठ अभिभाषक के कथन को विशेष महत्व और सम्मान दिया जाता है तथा उनका विधि जगत में विशेष स्थान होता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में अपने द्वारा सन् 2017 में दिए गए एक फैसले (इंदिरा जयसिंह बनाम सुप्रीम कोर्ट) में निर्धारित सीनियर एडवोकेट डेजिग्नेशन को विनियमित करने वाले दिशा निर्देशों में संशोधन की मांग करने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया है। इसमें विविध श्रेणी को दिए गए वेटेज में नि:स्वार्थ कार्य प्रकाशित और अप्रकाशित निर्णयों और डोमेन विशेषज्ञता को भी जोड़ा है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि हमें कार्यवाही में एडवोकेट द्वारा निभाई गई भूमिका पर भी विचार करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि बड़ी संख्या में एडवोकेट विशेष न्यायाधिकरणों के समक्ष विशेष रूप से प्रैक्टिस कर रहे हैं। वे सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष तभी उपस्थित होते हैं, जब उनके मामले सर्वोच्च न्यायालय तक जाते हैं। यह देखा गया कि परिस्थितियों को देखते हुए उनकी उपस्थिति कम हो सकती है। लेकिन इसे सीनियर एडवोकेट के रूप में नामित किए जाने की प्रक्रिया में नुकसान के रूप में काम नहीं करना चाहिए।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि वरिष्ठ अधिवक्ता क्या हैं और उनकी क्या खूबियां होती है। अधिवक्ता अधिनियम की धारा 16 में प्रावधान है कि अधिवक्ताओं के दो वर्ग होंगे। अर्थात वरिष्ठ अधिवक्ता और अन्य अधिवक्ता। एक अधिवक्ता, को उसकी सहमति से वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए यह आवश्यक है कि उनकी योग्यता के बारे में सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय की राय यह हो कि बार में उनका विशिष्ट स्थान है तथा कानून में उनके विशेष ज्ञान या अनुभव के आधार पर, वह इस तरह की विशिष्टता के योग्य है। वरिष्ठ अधिवक्ता, अपने प्रैक्टिस के मामले में, कानूनी पेशे के हित में, बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा निर्धारित प्रतिबंधों के अधीन होते हैं।

अधिवक्ता अधिनियम की धारा 49 (1) (जी) के अंतर्गत बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया, अपनी शक्ति का प्रयोग कर इस संबंध में उल्लेखित नियम बनाता है। बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया के नियमों के अध्याय एक के भाग 4 पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं के संबंध में समुचित प्रावधान करता है। नियम यह भी प्रावधान करते हैं कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय में एडवोकेट ऑन रिकार्ड के बिना तथा किसी अन्य अदालत या न्यायाधिकरण में एक सहायक वकील के बिना या अधिनियम की धारा 30 में उल्लेखित अन्य व्यक्ति या न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होगा। जहां नियमों के लागू होने से पहले एक वरिष्ठ अधिवक्ता को नियुक्त किया गया है, वह तब तक जारी नहीं रहेगा, जब तक कि राज्य अधिवक्ता परिषद में पंजीबद्ध एक वकील उसके साथ शामिल नहीं होता है।

इसके अलावा, एक वरिष्ठ अधिवक्ता किसी न्यायालय या ट्रिब्यूनल में या अधिनियम की धारा 80 में उल्लेखित किसी भी व्यक्ति या अन्य प्राधिकारी के समक्ष दलील या हलफनामे, साक्ष्य पर सलाह या इसी तरह का कोई भी मसौदा तैयार करने के निर्देष को स्वीकार नहीं करेगा। एक वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्ठ अधिवक्ताओं के निर्देश पर अपने मुवक्किलों की ओर से बहस के दौरान रियायत देने या वचनबद्धता देने के लिए स्वतंत्र होगा। एक वरिष्ठ अधिवक्ता किसी भी मामले में उपस्थित होने वाले राज्य अधिवक्ता परिषद में पंजीबद्ध अभिभाषक द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की मान्यता में उसे एक शुल्क का भुगतान कर सकता है जिसे वह उचित समझता है।

नियम यह प्रावधान भी करता है कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता जिसने एक मामले में एक वकील (जूनियर) के रूप में कार्य किया था, उसे एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किए जाने के बाद, अपील की अदालत में या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के आधार पर सलाह नहीं दी जा सकती है। यह भी प्रावधान किया गया है कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता किसी मुवक्किल से सीधे किसी न्यायालय या ट्रिब्यूनल में या भारत में किसी व्यक्ति या अन्य प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए कोई संक्षिप्त या निर्देश स्वीकार नहीं करेगा।

नियम यह प्रावधान भी करता है कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता जिसने एक मामले में एक वकील (जूनियर) के रूप में कार्य किया था, उसे एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किए जाने के बाद, अपील की अदालत में या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के आधार पर सलाह नहीं दी जा सकती है। यह भी प्रावधान किया गया है कि एक वरिष्ठ अधिवक्ता किसी मुवक्किल से सीधे किसी न्यायालय या ट्रिब्यूनल में या भारत में किसी व्यक्ति या अन्य प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए कोई संक्षिप्त या निर्देश स्वीकार नहीं करेगा।

एक वरिष्ठ अधिवक्ता बनने के लिए व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों तरह के आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। क्योंकि, निर्णय करते समय की विश्लेषण शक्ति, उनसे होने वाले फायदे और नुकसान के अनुमान आदि की आवश्यकता है। आत्मविश्वास बोलचाल के तरीके से देखा जा सकता है। यहां तक कि आपके हावभाव भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। किसी भी दस्तावेज को लिखते समय एक शब्द का गलत स्थान वाक्य के अर्थ को परिवर्तित कर सकता है। एक अधिवक्ता का अपने काम के प्रति एक सटीक दृष्टिकोण होना चाहिए। किसी भी गलत अनुरोध से आपके आवेदन की अस्वीकृति हो सकती है। प्रैक्टिस से अनुभव आता है। यह एक वरिष्ठ अधिवक्ता के गुणों में से एक है। इस अनुभव माध्यम से एक अधिवक्ता सभी मामलों, परिस्थितियों और यहां तक कि सभी अवांछित स्थितियों को संभाल सकता है। दूसरों की तुलना में उनकी संचालन शक्ति ज्यादा प्रमुख दर्शित होती है।

एक अच्छा वकील हमेशा अपने निजी जीवन को पेशेवर जीवन से अलग रखता है। वे आमतौर पर भावुक नहीं होते हैं। लेकिन उन्हें दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझने और उनके मुद्दों को समझने की अत्यंत आवश्यकता होती है। यह गुण व्यक्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उसकी क्षमता का परीक्षण तब होता है जब आप अपने सहयोगियों से परामर्श किए बिना किसी भी परिस्थिति या परिस्थितियों में सोच सकते हैं। उस मामले को उचित या तार्किक तरीके से अपने पक्ष में प्रस्तुत कर सकते हैं, ताकि अपना केस जीत सकें। चाहे आपका प्रकरण नकारात्मक हो या सकारात्मक हो, भावनाओं, अभिव्यक्ति और विचारों पर नियंत्रण भी आवश्यक है। बोलने से पहले हमेशा सोचने की जरूरत है। शब्द लाभदायक हैं तो हानिकारक भी हो सकते हैं। एक अभिभाषक को कब बोलना है और कब खामोश रहना है, यह समझना आवश्यक है। कभी कभी बोलना हानिकारक साबित हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता के पास हमेशा इस विचार के साथ-साथ अपने करियर में भी स्थिरता होती है। वह शांतिपूर्ण तरीके से हर स्थिति से निपट सकता है और बिना किसी आक्रामकता के शांति से बातचीत कर सकता है। पेशेवर या निजी जीवन में स्थिरता और परिपक्वता अनुभव के साथ आती है।

सामान्य तौर पर एक वरिष्ठ अधिवक्ता की वरिष्ठता, उम्र और एक विशेष कानूनी पेशे के अनुभव पर आधारित होती है। इसे एडवोकेट्स एक्ट में भी परिभाषित किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता को एक अलग आचार संहिता का पालन करना होगा। यह अन्य वकीलों से अलग है। सामान्य लोग एक अच्छे अभ्यास और अनुभव वाले वृद्ध वकील को एक 'वरिष्ठ वकील' के रूप में देखते हैं। जबकि एक नए वकील को वरिष्ठ वकील से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता होती है। कुछ कौशलों को भी समझने की आवश्यकता होती है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता की सफलता के पीछे समर्पण और वर्षों का अभ्यास है, जबकि एक जूनियर वकील इस कौशल और गुणवत्ता का अभाव है। वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा उन्हें योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय द्वारा नामित किया जाता है।

अधिवक्ता की भूमिका और कर्तव्य न्याय प्रदान करने में मदद करना है। न्याय दिलाने के साधन के रूप में अधिवक्ता कार्य करते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता उनके कौशल, अनुभव, ज्ञान और विशेषज्ञता की पहचान है। यदि कोई वरिष्ठ अधिवक्ता बनने की ख्वाहिश रखता है, तो उसे कड़ी मेहनत के साथ-साथ कानून के क्षेत्र में विशेष ज्ञान के साथ खूब पसीना बहाना पड़ता है। लेकिन, केवल कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी नहीं है। इसके साथ ही आपको कुछ विशिष्ट कार्य करने की भी जरूरत है। इनमें से, अपने संचार कौशल, वकालत कौशल, परामर्श कौश ल और अपने मस्तिष्क का उपयोग कई दिशाओं में करना आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता बनना और एक विशेष योग्यता होना इतना आसान नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

जिला शिक्षा अधिकारी दमोह को भाजपा कार्यकर्ताओं ने डाली स्याही

दमोह। स्याही डालकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी को किया दागदार* मरम्मत कार्य के कुछ विल लैप्स होने से बदले की भावना से किया होगा डीईओ मिश्रा भारतीय जनता पार्टी ने तीन पदाधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किए भारतीय जनता पार्टी स्याही फेंकने की घटना का समर्थन नहीं करती - जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह ने *गंगा जमुना स्कूल हिजाब कांड में रोज हो रहे नये खुलासे

सफाई संरक्षक को मिली अनुकंपा नियुक्ति

गंजबासौदा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव के जन्मोत्सव के दौरान एक सफाई संरक्षक विक्रम बाल्मीकि को अनुकंपा नियुक्ति भी प्रदान की गई। सफाई संरक्षक विक्रम के पिता रामचरण वाल्मीकि का विगत दिनों निधन हो गया था। जैसे ही यह मामला नपा अध्यक्ष श्रीमती यादव के संज्ञान में आया तो उन्होंने विक्रम को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को दिए। जिसके बाद मंगलवार के दिन विक्रम को नियुक्ति पत्र देकर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई।

डीईओ ऑफिसः कब तक कनिष्ठ करेंगे वरिष्ठ पर शासन

शहडोल7वर्षों पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर अपने कार्य के साथ साथ कार्यभार सम्हालने का एक आदेश श्री फूल सिंह मारपाची, प्राचार्य शा. उ. मा. मऊ को शासन ने एक आदेश से जारी किया था। संभव है शासन को कोई और योग्य नही दिखा था।

लेकिन इस आदेश को वर्षों बीतने के बाद भी आज तक जिला शिक्षा अधिकारी पद के लिए कोई नही मिला।श्री वी डी पाठक जो प्राचार्य से पदोन्नत होकर सहायक संचालक बन गए है।आदेश शासन ने ही किया है। लेकिन पूर्व के समाप्त हो चुके आदेश के बाद, क्योकि मारपाची मऊ से बुढ़वा स्थानांतरित हो गए तो यह आदेश स्वतः समाप्त हो गया था।जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में भारी असंतोष देखा जा रहा है।सहायक संचालक के होते हुए एक प्राचार्य जिला शिक्षा अधिकारी के पद का प्रभार लेकर रोज अपने से वरिष्ठों को आदेश देते है। यह न्याय संगत प्रतीत नही होता है।जिला प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि शासन को मामले से अवगत कराते हुए इस विसंगति को दूर कराने का प्रयास करे।

जन्मदिन,विवाह सहित अन्य कार्यक्रमों में करे पौधरोपण- हिमांशु चंद्र

शहडोल - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु चंद्र ने शिव साधना आरोग्यधाम देवगवां में आम का पौधरोपण किया। पौधरोपण कर सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि भौतिकता के लिए धरती माँ से अन्याय किया गया है। धरती माता के अंधाधुंध शोषण के परिणामस्वरूप मौसम चक्र बदला है। हम अपनी जीवन-शैली में थोड़ा सा बदलाव कर और पौधे लगा कर धरती की सेहत को बेहतर कर सकते हैं। हमें अपने जन्म-दिवस, विवाह वर्षगाँठ, परिजन की स्मृति और अपनी उपलब्धियों पर पौधे लगाने को अपनी आदत बनाना होगा। साथ ही बिजली, पानी की बचत और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने का संकल्प लेकर भी हम पर्यावरण-संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना पोर्टल पर 15 जून से होंगे रजिस्ट्रेशन

छतरपुर। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के जिले में बेहतर क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में उद्योगों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, प्राचार्य आईटीआई, जीएम डीआईसी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के संबंध में विभिन्न निर्देश एवं क्रियान्वित बिन्दुओं की जानकारी दी गई। 7 जून 2023 को एमएमएसकेवाय (डडैञ्जल) पोर्टल पर उद्योगों, कंपनियों को रजिस्टर्ड कराया जाएगा और 15 जून से युवाओं-छात्रों के पंजीयन किये जाएंगे। युवा स्वयं पोर्टल के माध्यम रजिस्टर्ड हो सकते हैं। कलेक्टर श्री जी.आर. ने निर्देशित किया कि व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जिले के उद्योगों जोड़ते हुए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। जिला उद्योग केन्द्र छतरपुर के कार्यालय में पंजीयन के लिए हेल्प डेस्क बनाया जाए। साथ ही आईटीआई, इंजीनियरिंग कॉलेजों, पॉलीटेक्निक, जनजातीय छात्रावासों आदि में इस योजना का प्रचार कर अधिक से अधिक युवाओं के पंजीयन कराए जाएं।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव विजयवर्गीय और युवा आयोग अध्यक्ष 7 जून को जिले के प्रवास पर

धार। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार के सफलतम 9 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। केंद्र और प्रदेश की योजनाओं के माध्यम से गरीबों का जीवन बदल रहा है। इन 9 वर्षों में गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं चल रही हैं, इन योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। भाजपा ने 30 मई से 30 जून के बीच विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्यक्रम तय किया है। इसी अभियान के तहत भाजपा के राष्ट्रिय महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं युवा आयोग के अध्यक्ष डॉ निशांत खरे बुधवार को जिले के प्रवास पर रहेंगे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि श्री विजयवर्गीय एंव डॉ खरे गंघवानी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जिराबाद तथा मनावर नगर में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हो कर मार्गदर्शन देंगे। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी सहित भाजपा वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

मेडीकल कॉलेज 4 सौ सफाईकर्मी हड़ताल पर, 5 माह से नहीं मिला वेतन

शिवपुरी - अक्सर विवादों में रहनेवाला मेडीकल कॉलेज एक बार फिर चर्चाओं में है। कॉलेज के 400 सफाईकर्मी हड़ताल पर चले गए। सफाईकर्मियों ने यूडीएस कंपनी के संचालक मनोज यादव और सुपरवाईजर विकास त्यागी पर प्रताड़ना के आरोप लगाए है। मेडीकल कॉलेज के सफाईकर्मीयों के हडताल पर जाते ही सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

ज्ञात हो कि शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में सफाई व्यवस्था के लिए यूडीएस कम्पनी ने कर्मचारियों की नियुक्ति की है लेकिन समय पर उन्हें वेतन न मिलने से नाराज होकर आज सभी सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। सफाई कर्मचारी दिलीप वाल्मिक के नेतृत्व में हड़ताल की जा रही है और वह सभी कर्मचारियों के साथ एकत्रित होकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बताया गया है कि वह सभी ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ मेडिकल कॉलेज की सफाई व्यवस्था में लगे हुए हैं लेकिन कम्पनी उन्हें पिछले 4-5 माह से समय पर वेतन नहीं दे रही है और न ही एरियर का भुगतान कर रही है। जिससे उनके परिवार के भरण पोषण में बाधा उत्पन्न हो रही है।

इस संबंध में उन्होंने कम्पनी के संचालक मनोज यादव और सुपरवाइजर विकास त्यागी सहित अन्य संबंधितों से शिकायत की, तब से कम्पनी के यह लोग सभी सफाई कर्मचारियों को तरह-तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं अगर कोई भी कर्मचारी आने में लेट हो जाता है तो उसकी दिनभर की अनुपस्थिति डाल दी जाती है।कर्मचारियों को बीमारी में भी अवकाश नहीं दिया जाता,उन्हें झूठे आरोप लगाकर हटा दिया है। इन मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो सभी सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर चले जाएंगे।

10 हज़ार का इनामी हत्यारोपी दबोचा

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा जिले मे घटित अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओपी कोलारस विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना इंदार द्वारा हत्या के आरोप में फरार 10000 रु. के इनामी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। 8 मई 2019 को फरियादी/मृतक बलवीर पुत्र बिहारी जाटव उम्र 38 साल निवासी ग्राम तरावली ने रिपोर्ट किया कि वह मोटर साईकिल से खेत पर जा रहा था तभी मन्ना सिंह के खेत के पास सत्यभान जाटव ने रास्ता रोककर जान से मारने की नियत से कट्टे से फायर कर गोली मार दी और भाग गया। उक्त रिपोर्ट पर से पुलिस थाना इंदार पर अप.क्र. 104/2019 धारा 307,341 भादवि. पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया था। उक्त घटना में फरियादी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई जिस पर से अपराध में धारा 302 भादवि. का ईजाफा किया गया। आरोपी घटना दिनांक से ही फरार चल रहा था, पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिये भरसक प्रयास किया जा रहे थे किन्तू आरोपी द्वारा घटना के बाद से ही सिक्ख धर्म अपना कर पंजाब में छिप जाने के कारण गिरफ्तारी नहीं हो सकी। पुलिस द्वारा कई बार पुलिस टीम बनाकर पंजाब मे सूचना के आधार पर कई जगहों पर आरोपी की तलाश गई परंतु पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली। आरोपी अपना भेस बदल रहा था एवं समय-समय पर जगह भी बदल-बदल कर रह रहा था। थाना प्रभारी इंदार उनि. केएन शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर मोहना में एक मकान की घेराबन्दी कर आरोपी सत्यभान उर्फ सतपाल पुत्र मन्नासिंह उर्फ मन्नु सिंह जाटव उम्र 27 साल निवासी ग्राम तरावली हाल निवासी अमृतसर पंजाब का होना पाया गया, जिसे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर आरोपी से हत्या मे प्रयुक्त एक 315 बोर का कट्टा, 04 जिंदा कारतूस व एक चला हुआ खोखा जप्त किये गये।

ठेकेदार ने काम कराकर मजदूरों को नहीं किया भुगतान, श्रमिक आयोग के अध्यक्ष से मजदूरों ने लगाई न्याय की गुहार

बरेली 7 तहसील बरेली के ग्राम खण्डराज ,सोजनी, सर्रा, सिवनी में निर्माण कार्य करा कर 19 मजदूरों का मजदूरी का 1 लाख 99 हजार रुपए का भुगतान ठेकेदार द्वारा नहीं किया गया जिससे मजदूर प्रशासन से लेकर सरकार का दरवाजा खटखटा रहे हैं जिला छिंदवाड़ा से आए मजदूर आज खाना-पीना के लिए भी मोहताज हो रहे हैं मजदूरों ने मध्य प्रदेश प्रवासी श्रम आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त भागचंद यूके को आवेदन देकर अवगत कराया है कि हम 19 मजदूरों को जिला छिंदवाड़ा तहसील अमरवाड़ा से मजदूरी करने ठेकेदार पर्वत सिंह राजपूत ग्राम परसवाड़ा जिला होशंगाबाद द्वारा ग्राम पंचायत खण्डराज सहित अन्य गांवों में नाली रोड का निर्माण कार्य कराने हेतु 350 रुपए प्रति व्यक्ति मजदूरी के हिसाब से लाया गया था मजदूरों द्वारा सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण कर दिया गया सभी 19 मजदूरों की राशि 1 लाख 99 हजार रुपए बने जब ठेकेदार से मजदूरी के पैसे मांगे तो ठेकेदार ने पैसे देने की जगह धमकियां देते हुए गाली गलौज कर भगा दिया फोन लगाने पर ठेकेदार द्वारा फोन नहीं उठाया जाता वही हमें खाने के लिए पैसे भी नहीं है अध्यक्ष के सामने मजदूरों ने न्याय की गुहार लगाते हुए ठेकेदार पर कानूनी कार्रवाई की बात कही युक्त मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए अध्यक्ष भागचंद उईके के द्वारा रायसेन कलेक्टर अरविंद दुबे से चर्चा कर मजदूरों का भुगतान कराने के लिए निर्देश दिए और ऐसे ठेकेदारों पर कानूनी कार्रवाई की बात कही जिससे कि आगे कोई मजदूर परेशान ना हो मध्य प्रदेश सरकार लगातार श्रमिकों के जन कल्याण के लिए काम कर रही है मजदूरों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो और उनका शोषण ना हो जिसको लेकर श्रमिको आयोग लगातार काम कर रहा है रायसेन कलेक्टर ने भी अध्यक्ष को आश्वस्त किया है कि जल्द ही मजदूरों का भुगतान करा दिया जाएगा 7

जिलेभर में लाड़ली बहनों को मिल रहे स्वीकृति प्रमाण पत्र

जिन महिलाओं ने अभी तक डीबीटी नही करवाया है तत्काल करवाएं

छतरपुर। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में छतरपुर जिले में पात्र आवेदक लाड़ली बहनाओं को स्वीकृति पत्र किये जा रहे हैं। मंगलवार को लवकुशनगर के ग्राम खपटया, रानीपुरा, सिजई आदि ग्रामों में जनपद सदस्यों, सरपंच, उप सरपंच, सचिव, जनप्रतिनिधियों द्वारा पात्र आवेदक महिलाओं को स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। स्वीकृति पत्र पाकर लाड़ली बहनों के चेहरे खुशी से खिल उठे और सभी ने शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया। 10 जून को इन सभी के बैंक खातों में 1000 रू की राशि आएगी।

निकायों में भी लाड़ली बहनों को मिले स्वीकृति पत्र कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले के जनपदों के ग्रामों, निकायों के वार्डों में जनप्रतिनिधियों एवं

अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की महिला हितग्राहियों को स्वीकृत पत्र सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में बक्सवाहा नगर परिषद द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में वितरित किये गए। इस दौरान नगरपरिषद से हरदयाल विश्वकर्मा, आगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती मनीषा जैन सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना प्रभारी आशीष सप्रे के नेतृत्व में बरेली पुलिस कर रही ताबड़तोड़ कार्रवाई,इनामी आरोपी पप्पू फटाखा को किया गिरफ्तार

307 के मामले में आरोपी 7 माह से था फरार

रोहित चौधरी बरेली 7 रायसेन जिले का सबसे संवेदनशील बरेली थाना हमेशा कार्रवाई से लेकर घटनाओं में हमेशा सुर्खियों में छाया रहता है। इसी कड़ी में एक बार फिर बरेली पुलिस को इनामी आरोपी पप्पू फटाखा की गिरफ्तारी कर बड़ी सफलता हाथ लगी है। दरअसल एसडीओपी राजीव जांगले के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आशीष सप्रे के नेतृत्व में बरेली पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है पूर्व में पेंडिंग पड़े कई मामलों में कार्रवाई के साथ आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है जिससे जनता के बीच पुलिस की स्वच्छ कार्य प्रणाली की प्रशंसा की जा रही है दरअसल बरेली पुलिस ने पिछले 7 माह से फरार चल रहे इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी। आइए विस्तार से जानें पूरा मामला? थाना प्रभारी आशीष सप्रे से मिली जानकारी के अनुसार 7 माह से फरार चल रहे इनामी आरोपी पप्पू फटाखा बरेली दालमील निवासी सात माह से फरार चल रहा था। 7 माह पूर्व आरोपी पप्पू फटाका द्वारा दिनेश धाकड़ पर जान से मारने की नीयत से हमला किया था जिसके बाद पुलिस ने फरियादी दिनेश धाकड़ की रिपोर्ट पर धारा 307 के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने जगह-जगह दबिश देकर पप्पू पटाखा को

पकड़ने का प्रयास किया जिसके बाद पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शाहवाल ने प्रकरण को गंभीरता से देखते हुए आरोपी के ऊपर 5 हजार का इनाम घोषित किया एडिशनल एसपी अमृत मीणा

एसडीओपी राजीव जंगले के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आशीष सप्रे द्वारा टीम गठित कर आरोपी की तलाश की फरार आरोपी पप्पू फटाखा द्वारा महिला के ऊपर जान से मारने की नियत से पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की पीड़ित महिला ने बरेली थाने में शिकायत कर मामला दर्ज कराया जिसके बाद ही मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी पप्पू फटाका को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में बरेली पेश किया गया 7

इनकी रही भूमिका ---

आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका थाना प्रभारी आशीष सप्रे, उपनिरीक्षक सुनंदा खरे, दीपक वर्मा ,सहायक उप निरीक्षक रमेश रैकवार ,प्रधान आरक्षक श्याम सिंह ,महेंद्र राजावत, मोहनीश मिश्रा, मुकेश पटेल की विशेष भूमिका रही

वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने की दिलाई शपथ

नेहरू युवा केन्द्र, धार (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) एवं मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी/मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र धार के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धरमपुरी शहर में मिशन लाइफः पर्यावरण के लिए जीवन शैली कार्यक्रम अन्तर्गत युवा स्वयंसेवकों द्वारा श्री बिलवामृतेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में वृक्षारोपण कर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम धरमपुरी नगर परिषद अध्यक्ष व विधायक प्रधिनिधि डॉ. जिया उल हक एवं पार्षद बाबू खान ने सभी उपस्थितों को मिशन लाईफ की शपथ दिलाई। जिसके पश्चात अतिथियों एवं धरमपुरी वासियों के बीच युवाओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। धरमपुरी नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा हरी झंडी दिखाकर मिशन लाइफः पर्यावरण के लिए जीवन शैली एवं कैच द रेन जागरूकता रैली का प्रारंभ किया गया। जागरूकता रैली धरमपुरी बस स्टैण्ड से शहर के बीच सड़क से होते हुए नर्मदा घाट श्री बिलवामृतेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में समाप्त हुई।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को अवगत कराता हूँ कि मृतक श्री श्याम बोरा पुत्र श्री चांदमल बोरा निवासी-3 ईदगाह हिल्स भोपाल के उत्तराधिकारी व वारिसान पत्नी श्रीमती सरोज बोरा, पुत्र समीर बोरा एवं पुत्री श्रीमती श्वेता के एक मात्र स्वामित्व व अधिपत्य की भूमि अर्थात् भूखण्ड जिसका नया खसरा क. -60 / 2 / 1 (एस) विक्रय रकबा 0.25 एकड़ भूमि / भूखण्ड स्थित ग्राम बावड़ियाकलां पटवारी हल्का- 42, तहसील - कोलार, नगर निगम वार्ड क्रं.- 52 जिला भोपाल मे विक्रय पत्र अनुसार दिशा पूर्व मे खसरा क्र- 60/2 की भूमि, पश्चिम मे - 60/1 की भूमि, उत्तर में खसरा क्रं.-58 की भूमि, दक्षिण मे - 60/2 की भूमि है, इस संपत्ति को मेरा पक्षकार क्रय कर रहा है एवं बयाना राशि का भुगतान कर दिया है, अतः इस कुल भूमि या उसके किसी भी हिस्से पर किसी भी व्यक्ति, संस्था या अन्य का कोई भी वैधानिक रूप में अधिकार, दावा, अनुबंध या संव्यवहार हो तो वह इस प्रकाशन के 07 दिवस में मेरे कार्यालय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा मेरा पक्षकार इस संपत्ति को पूर्ण भुगतान के साथ पंजीयन करा लेंगे और भविष्य में कोई भी आपत्ति मेरेपक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

दिनांक- 06/06/2023

स्वप्निल तैलंग अधिवक्ता
एफ.आर-1, फोर्थ फ्लोर, 178
चित्रा काम्पलेक्स, जोन-1 एम. पी. नगर भोपाल
मो. 9826014736

भोजपुर क्षेत्र के भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता की प्रथम पुण्यतिथि पर हुआ सुंदरकांड का पाठ

ओबैदुल्लागंज मैं जन्मे व छात्र राजनीति से उभरे वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारतीय जनता पार्टी के रायसेन जिले के मार्गदर्शक स्व- विजय कोठारी की प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर मेन चौराहा कोठारी भवन में सुदरकाण्ड पाठ एवं दिवंगत आत्मशांति के लिए प्रार्थना रखी गई है। उक्त कार्यक्रम 06 जून 2023, दिन मंगलवार को शाम 05 बजे से 08 बजे के बीच आयोजित किया गया। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के नगर में मेन चौराहे के कोठारी भवन की बैठक में बडे से बड़े राजनैतिक फैसले सदियों से होते आये हैं। स्व- विजय कोठारी की हार्डवेयर की छोटी सी दुकान पर हर तरह से हारा हुआ व्यक्ति आता था, जिनकी समस्या का समाधान अपने राजनैतिक व्यक्तिव से स्व- कोठारी जी करवा दिया करते थे। दिवंगत आत्म शांति के लिए उनके सुपुत्र एवं भोजपुर विधानसभा के भाजपा शोसल मीडिया/आईटी संयोजक, पंकज कोठारी द्वारा यह आयोजन किया गया है। बता दें कि पंकज कोठारी की सक्रीयता पिछले लगभग 1 वर्ष में क्षेत्र में बढ़ी है एवं चौराहे पर फिर से आम-जन की समस्याओं का समाधान किया जाने लगा है। पिता की करकमलों पर चलते हुए समाजहित में पंकज कोठारी प्रत्यक्ष हो गये हैं। विधायक सुरेंद्र पटवा भी पंकज कोठारी से विशेष स्नेह रखते हैं। ज्ञात हो कि स्व-विजय कोठारी पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्मविभूषित स्व-सुंदर लाल पटवा के काफी करीबियों में से रहे हैं। स्वच्छ व साफ राजनैतिक कार्यशैली से भी उन्हें जाना जाता रहा है।

इस सुंदरकांड एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे श्रीमती नमिता वागीश अग्रवाल भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गी भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुरजीत सिंह बिल्ले नरेंद्र शर्मा आनंद पांडे कृष्ण गोपाल पाठक पुरुषोत्तम शर्मा संतोष गुप्ता आशीष दीक्षित मनोज चौरसिया राजेंद्र गुड्डू साहू शंकर पाल कंचन पाल पवन ज्योत सिंह नंदू शर्मा सुजीत यादव नीरज चावला देवेंद्र राजपूत गुरु यादव राहुल यादव पत्रकार मोहन योगी राजेश सैनी राजीव जैन प्रीतम राजपूत बिजी लाव निया सुरेश केवट व्यापारी सहित समाजसेवी, वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे

अपील

कृपया ध्यान दें - बालासोर रेल दुर्घटना

कृपया आगे आएं और ओडिशा रेल दुर्घटना के पीड़ितों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद करें

कृपया डायल करें

139 रेलवे हेल्पलाइन नंबर | **1929 और 1800-3450061** टोल फ्री नंबर ओडिशा राज्य सरकार

आप निम्न वेबसाइट पर भी विजिट कर सकते हैं

www.osdma.org	सभी जानकारी उपलब्ध
www.srcodisha.nic.in	हादसे में मृत लोगों की फोटो
www.bmc.gov.in	एस. सी. बी. मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, कटक में उपचाराधीन यात्रियों की सूची

आप निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक्स पर भी विजिट कर सकते हैं

•www.indianrailways.gov.in •www.irctc.co.in

परिवारों को अपने प्रियजनों की पहचान कराने के लिए इस संदेश को अधिक से अधिक फैलाएं

एयरटेल बिजनेस ने भारत सरकार के एड-टेक प्लेटफॉर्म- दीक्षा को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक, भारती एयरटेल ने घोषणा की है कि उसे डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) द्वारा भारत के ओपन एजुकेशनल डिजिटल कंटेंट के नेशनल प्लेटफार्म दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) को क्लाउड और सीडीएन सेवाएं प्रदान करने के लिए चुना गया है। डीआईसी भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वाधान में कार्य करता है। एयरटेल को दीक्षा के ऑनलाइन प्लेटफार्म, मोबाइल ऐप और वेबसाइट दोनो को पूरी तरह से प्रबंधित करने की जिम्मेदारी दी गई है। एयरटेल इस कार्य के लिए दीक्षा का विश्वसनीय भागीदार बन गया है। दीक्षा एप्लिकेशन और वेबसाइट अब एयरटेल क्लाउड द्वारा संचालित होगी और देश भर के छात्रों को उनकी पसंदीदा भारतीय भाषा में मुफ्त शैक्षिक सामग्री के लिए सहज रूप से सुलभ होगी। विशेष रूप से दूर-दराज के स्थानों पर रहने वाले छात्र आसानी से प्लेटफॉर्म पर नामांकन कर सकेंगे।

एसर ने भारत में गूगल टीवी की शानदार श्रृंखला पेश की

नई दिल्ली, एजेंसी। आज इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ ने भारत में एसर की ओर से गूगल टीवी श्रृंखला के लॉन्च की घोषणा नई दिल्ली में एक भव्य समारोह के साथ की। इसमें विभिन्न आकारों, डिस्प्ले टेक्नॉलॉजी, और मूल्यों में विस्तृत उत्पाद श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। यहाँ घोषित उत्पादों में ओलेड डिस्प्ले के साथ फ्लैगशिप ओ सीरीज़ तथा बड़े वूफर्स के साथ 60-वॉट के स्पीकर सिस्टम ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। ओलेड टीवी दो आकारों, 55 इंच और 65 इंच वैरिएंट में पेश किए जाएंगे। ध्यान आकर्षित करने वाले अन्य उत्पादों में वी सीरीज़ में एक क्रांतिकारी किफायती क्यूलेड श्रृंखला भी शामिल है, जिसके द्वारा ग्राहकों को किफायती मूल्य में क्यूलेड डिस्प्ले का आनंद लेने का मौका मिलेगा। इससे पहले क्यूलेड टीवी भारत में एक बड़ी आबादी के लिए बहुत महंगे होते थे। सबसे अच्छा आकर्षण 32 इंच का एंट्री क्यूलेड वैरिएंट था, जिसके अलावा 43 इंच, 50 इंच और 55 इंच के सामान्य वैरिएंट भी थे।

3 हाई प्रोटीन वेगन फूड, जो वजन कम करने में मदद कर सकते हैं

मुंबई, एजेंसी। अध्ययनों में सामने आया है कि वेगन आहार वालों का कार्बन, पानी और पर्यावरणीय फुटप्रिंट मीट खाने वालों के मुकाबले काफी कम होता है। विश्व में आहार की आदतों में काफी बड़े परिवर्तन आ रहे हैं। शाकाहारी जीवनशैली की ओर लोगों का रूझान हमारी समृद्धि और गृह के लिए फायदेमंद होगा। नीचे प्रोटीन के कुछ स्त्रोत दिए जा रहे हैं, जो शाकाहारी भोजन में शामिल किए जा सकते हैं। नेहा रंगलानी, इंटीग्रेटिव न्यूट्रिशनिस्ट एवं हैल्थ कोच ने कहा लगभग हर भारतीय परिवार में पुराने समय से नियम से सुबह सबसे पहले भीगे हुए बादाम खाए जाते हैं। बादम कच्चे या भूनकर भी खाए जाते हैं और कई भारतीय रेसिपी में पोषण से भरपूर स्नैक बनाते हैं। बादाम में आसानी से अलग-अलग भारतीय मसालों के साथ अलग-अलग स्वाद उत्पन्न किए जा सकते हैं।

हिंडालको महान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर बास से बने उत्पादों की लगाई प्रदर्शनी व किया पौधा रोपण

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडालको कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्वावरण हितैसी बास से बने उत्पादो की प्रदर्शनी आयोजित की है, जिसमें उन्होंने अपने प्लास्टिक उत्पादो को हतोत्साहित करने व प्राकृतिक बास से बने उत्पादों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी लगाई जिसका उद्घाटन सी.एस.आर. प्रमुख संजय सिंह ने किया ,साथ ही पर्यावरण विभाग व सी.एस. आर. विभाग के द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम उनके संगठन द्वारा प्रदूषणमुक्त और स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदर्शनी में, हिंडालको कंपनी ने अपने बास से बने उत्पादों की विस्तारपूर्वक प्रदर्शन की गई। इस प्रदर्शनी में उन्होंने अपनी नवीनतम प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करते हुए उत्पादों की विशेषताओं को दर्शाया। यहां उपस्थित मनमोहक प्रदर्शनी में हिंडालको कंपनी ने बास से बने उत्पादों की उच्च गुणवत्ता, वैज्ञानिक अभियांत्रिकी, और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति अपने संयमित पहल के साथ प्रदर्शन किया।

ये कथा है जीवन का सार...। जहां कर्तव्य बना प्रेम का आधार... सृष्टि की पहली प्रेम कथा

भोपाल। भारत समृद्ध पौराणिक कथाओं का देश है जो इसके सांस्कृतिक ताने-बाने में बुने हुए हैं। पीढ़ियों से चली आ रही प्राचीन कहानियां लोगों के जीवन के सफर में कालातीत मार्गदर्शक के रूप में काम करती रही हैं। सभी भावनाओं से परे, सबसे शक्तिशाली प्रेम गाथा को चित्रित करते हुए, कलर्स की नई महाकृति 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' दो पूजनीय देवताओं - शिव और शक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है। यह उनके कर्तव्य, त्याग और अलग होने की सफर को दर्शाता है, जिससे होकर वे तप, त्याग और तांडव की ओर जाते हैं। एक असाधारण कैनवास पर पौराणिक शैली के शो को क्यूरेट करने के बाद, कलर्स और पौराणिक कथाओं के राजा सिद्धार्थ कुमार तिवारी ने फिर से विजुअली शानदार गाथा के लिए टीम बनाई है। राम यशवर्धन और सुभा राजपूत क्रमशः शिव और शक्ति की भूमिकाओं में हैं, यह आगामी शो दो दिव्य विभूतियों की यात्रा को दर्शाता है, जिनका अविभाज्य रिश्ता कई युगों में फैला हुआ है। बेहतरीन वीएफएक्स और भावपूर्ण संगीत से समृद्ध, 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' सिद्धार्थ कुमार तिवारी के स्वस्तिक प्रोडक्शंस द्वारा बनाया गया और निर्मित है, जिसका प्रीमियर 19 जून को होगा और प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज़ ने जल संरक्षण परियोजना का उद्घाटन किया

छतरपुर, एजेंसी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज़ (एचडीबीएफएस), एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान, ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में जल संरक्षण परियोजना का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पानी की कमी के मुद्दे को दूर करना और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देना है। इस प्रोजेक्ट के लिए एचडीबीएफएस ने हरितिका एनजीओ के साथ साझेदारी की है। विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करते हुए, जल संरक्षण परियोजना को आज आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया। यह परियोजना एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम का एक हिस्सा है जिसमें निरंतर तरीके से जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई प्रमुख कदम शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, नितेश तिवारी, जोनल मैनेजर एचडीबीएफएस ने कहा कि,संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक भारत पानी की कमी के कारण सबसे गंभीर रूप से प्रभावित देश हो सकता है। पानी की कमी के प्रभाव को दूर करने के लिए, जल स्त्रोतों को फिर से भरने और छतरपुर जिले के आस-पास के स्थानीय समुदायों के साथ काम करने और उनकी आजीविका में सुधार के लिए एचडीबीएफएस प्रतिबद्ध है।

अडानी ग्रुप ने चुकाया 2.65 अरब डॉलर का कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह ने अपने कर्ज को कम करने और अमेरिकी शॉर्ट सेलर द्वारा नकारात्मक रिपोर्ट के बाद निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिए 2.65 अरब डॉलर के ऋण का भुगतान कर दिया है। अडानी समूह ने घोषणा की कि उन्होंने अपनी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों को कॉलेटरल के रूप में उपयोग करके लोन में कुल 2.15 बिलियन का भुगतान किया है और अंबुजा सीमेंट को खरीदने के लिए लिया गया अतिरिक्त 700 मिलियन का लोन चुकाया है।

अडानी समूह ने यह भी बताया कि उन्होंने लोन चुकौती के साथ ब्याज के रूप में अतिरिक्त 203 मिलियन डॉलर का भुगतान किया। उन्होंने अपनी चार लिस्टेड कंपनियों में वैश्विक निवेश फर्म को 1.87 बिलियन (लगभग 15,446 करोड़ रुपए) में शेयर बेचे।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए आरोप- अडानी समूह ने कहा कि कर्ज कम करने की उनकी योजना से पता चलता है कि बाजार के डांवाडोल होने पर भी वे किस तरह प्रभावी ढंग से अपने पैसे को मैनेज कर रहे हैं और फंड जुटा रहे हैं। वे अपनी सभी कंपनियों में अपने पैसे को लेकर सावधान हैं।

145 अरब डॉलर की दिखी गिरावट- यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी में अडानी समूह पर अकाउंट फ्रॉड और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आई, जिसने समूह के बाजार मूल्य के लगभग 145 बिलियन अमेरीकी डॉलर का सफाया कर दिया था।

अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को नकारा है और वापसी की रणनीति बना रहे हैं। समूह ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को पुनर्गठित किया है और साथ ही निवेशकों के भरोसे को जीतने के लिए कुछ लोन चुकाए हैं। अडानी ग्रुप ने अपनी पैसों की स्थिति में कुछ अच्छे सुधार किए हैं। उन्होंने जितना पैसा कमाया है, उसकी तुलना में उन्होंने कर्ज की मात्रा कम कर दी है। पिछले एक साल में उन्होंने पहले से ज्यादा पैसा भी कमाया है। बैंक अभी भी अडानी समूह को लोन दे रहे हैं और अपनी मौजूदा लोन बढ़ा भी रहे हैं, जिसका अर्थ है कि बैंकों को कंपनी पर भरोसा है और वे वित्तीय रूप से उनका समर्थन करने को तैयार हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हजेला अस्पताल के प्रमुख डा. हजेला ने चिकित्सकों एवं अन्रू स्टाफ को फलों के पौधे वितरित किए।

फिन स्विमिंग चैम्पियनशीप आयोजन उज्जैन कल

भोपाल। म.प्र. फिन स्विमिंग एशोसिएशन द्वारा गुरुवार 8 जून 2023 प्रातः 10 बजे से द्वितीय म. प्र. फिन स्विमिंग चैम्पियनशीप आयोजन उज्जैन अंतराष्ट्रीय स्तर के नवनिर्मित स्विमिंग पुल रोड़ उज्जैन में किया जा रहा है। जिसमे शामिल होने के लिए पंजीयन 500 रुपए इंट्री फीस निर्धारित की गई साथ ही 150 रुपए प्रति इवेंट अलग से निर्धारित है। जो प्रतिभागी इन्ट्री सुधीर नेमा, मोबाईल नं 9425022222 या श्री स पंडित मोबाईल नं 9425674272 पर करा सकते है। प्रतियोगित इवेन्ट पृथक से संलग्न है।

बायजू के स्वामित्व वाले आकाश का आईपीओ अगले साल लाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायजू अगले साल के मध्य तक आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आकाश एजुकेशन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराती है। बायजू ने एक बयान में कहा कि आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) की आय वित्त वर्ष 2023-24 में 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान परिचालन लाभ 900 करोड़ रुपए रह सकता है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, बायजू अपनी सहायक इकाई आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) का आईपीओ अगले साल के मध्य में पेश करेगी। बाजयू के बोर्ड ने आईपीओ के लिए अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। बायजू ने अप्रैल 2021 में लगभग 95 करोड़ अमेरिकी डॉलर या लगभग 7,100 करोड़ रुपए में एईएसएल का अधिग्रहण किया था। अधिग्रहण के बाद आकाश की आय पिछले दो वर्षों में तीन गुना बढ़ी है।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम एवं कन्वेंशन सेंटर की घोषणा के लिए आभार

भोपाल। लेट्स ब्रांड भोपाल टीम के फाउंडर,युवा सोशल एक्टिविस्ट श्री स्पर्श द्विवेदी के नेतृत्व मे माननीय चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के निजी कार्यालय में भेंट कर भोपाल के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम एवं कन्वेंशन सेंटर की घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया एवं आभार पत्र और एक चित्र भी भेंट किया। लेट्स ब्रांड भोपाल मुहिम के माध्यम से टीम ने फरवरी 2023 में कुछ मुख्य मांगे भोपाल शहर के लिए माननीय मंत्री जी ,महापौर श्रीमती मालती राय एवं नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी जी को सौंपी थी जिसमे से भोपाल से गोवा की फ्लाइट, भोपाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं भोपाल में बड़े कन्वेंशन सेंटर की मांग और कुछ अन्य मांग भी की गई थी। टीम से स्पर्श द्विवेदी, आशीष मिश्रा , अजय देवनानी , उदय राय, दीपा द्विवेदी, मीता वाधवा, प्रकाश शुक्ला, अनूप कृष्णन, भावना गौतम एवं हर्ष गुप्ता मौजूद थे।

तीन चरणों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित

भोपाल। एमएसएमई क्षेत्र को उद्योग विशिष्ट प्रशिक्षित कर्मी प्रदान करने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री फेडरल मिनीस्ट्री ऑफ एजुकेशन एण्ड रिसर्च बीएफजेड जर्मनी सिनाडे एआईएम इंदौर एवं इण्डो जर्मन टूल रूम (आईजीटीआर) के संयुक्त प्रयास से तीन चरणों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रशुक्षुओं को दिनांक 30 जनवरी से 3 फरवरी तक इंदौर में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 06 मई से 22 मई तक जर्मनी में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। तृतीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 05 जून 2023 को फेडरेशन के कॉफ्रेंस हॉल में किया गया। जिसमें जर्मनी से पधारे मुख्य प्रशिक्षणकर्ता श्री माईकल डोर ने प्रशुक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। तीसरे चरण का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 05 जून 2023 से 06 जून 2023 तक फेडरेशन के कॉफ्रेंस हॉल में संपन्न हुआ। जिसमें मध्यप्रदेश के उद्योगों से 9 प्रशुक्षुओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में फेडरेशन के सचिव प्रवीण आचार्य जी ने भी भाग लिया और फेडरेशन की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। श्री माईकल डोर ने उपस्थित प्रशुक्षुओं को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में फेडरेशन के सचिव श्री प्रवीण आचार्य जी ने उपस्थित समस्त प्रशुक्षुओं एवं वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

सोनी लिव प्रसारित कर रहा है श्री सिद्धार्थ बसु के साथ 'क्विज़र ऑफ़ द इयर' स्टूडेंट्स के लिए एक बेहतरीन क्विज़ प्रतियोगिता

मुंबई, एजेंसी। भारत में क्विजिंग को सबसे बड़ा प्रोत्साहन मिलने जा रहा है, क्योंकि सोनी लिव ने एक राष्ट्रव्यापी क्विज़ चैलेंज, क्विज़र ऑफ़ द ईयर (क्यूओटीवाई) के प्रसारण की घोषणा की है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के ग्रेड टू से थर्ड (नौवीं से बारहवीं कक्षा तक) स्टूडेंट्स के लिए आयोजित क्यूओटीवाई का उद्देश्य सीखने और क्विज़ करने के लिए लगन और जिज्ञासा से भरे युवाओं को आकर्षित करना है। क्यूओटीवाई का नेतृत्व भारत के ग्रैंड क्विज़मास्टर, सिद्धार्थ बसु करेंगे, जिसे ट्री ऑफ़ नॉलेज डिजिटल (डिजिटॉक) की अनिता कौल बसु और उनकी टीम के साथ मिलकर डिजाईन और तैयार किया गया है।

आज, शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जो चीज स्टूडेंट्स को सबसे अलग खड़ा करती है, वह न केवल पाठ्यपुस्तकों से बल्कि हर जगह से ज्ञान हासिल करने और दुनिया को जिज्ञासा के साथ अनुभव करने की क्षमता है। क्यूओटीवाई स्टूडेंट्स को देश भर से उनके समकक्षों के मुकाबले अपनी क्षमताओं और ज्ञान को जाँचने का एक मंच प्रदान करता है।

स्टूडेंट्स बड़ी आसानी से सोनी लिव पर एक साधारण रजिस्ट्रेशन करके और उसके बाद हर रोज सात सवालों का उत्तर देकर इसमें भाग ले सकते हैं। कॉन्टेस्ट की पूरी अवधि के दौरान प्रतिभागियों को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक रूप से शानदार पुरस्कार जीतने का मौक़ा मिलेगा, जिनमें सोनी लिव पर उपस्थित होने का मौक़ा भी शामिल है। अंतिम विजेताओं को 1 करोड़ रुपये का शैक्षणिक स्कॉलरशिप और 'क्विज़र ऑफ़ द ईयर' का प्रतिष्ठित खिताब दिया जाएगा। क्विज़ के दायरे में स्टूडेंट्स के स्कूल के पाठ्यक्रम और सामान्य ज्ञान से सम्बंधित सवाल होंगे।

सीग्राम के रॉयल स्टैग ने अपने ब्रांड एंबेस्डर सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ

- **अपना नया लाइव इट लार्ज कैंपेन शुरू किया**

मुंबई एजेंसी। सीग्राम का रॉयल स्टैग हमेशा से ही सपनों को नए पंख लगाने, उन्हें पूरा करने और बिंदास जिंदगी जीने की भावना मिसाल रहा है। यह साल बेहद खास है क्योंकि ब्रांड नए लाइव इट लार्ज कैंपन के लांच के साथ एक महा बदलाव की यात्रा पर है। यह कैंपेन आज की जनरेशन की भावना और नजरिये को दर्शाता है, यह जनरेशन विशाल है जो कामयाबी के रास्तों की नई परिभाषा गढ़ने का प्रयास करती है। इस प्रभावशाली नए कैंपेन में आपको बॉलीवुड के पावरहाउस सुपरस्टार रणवीर सिंह नजर आएंगे, जो आज न केवल देश से सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं बल्कि अपनी जनरेशन के बेस्ट एक्टरों में भी उनका नाम लिया जाता है। ब्रांड के कैंपेन के नजरिये को दर्शाते हुए ''हम इसे संपूर्ण चाहते हैं, हम इसे आज चाहते हैं। हम हैं जनरेशन लार्ज''। रणवीर रॉयल स्टैग की उभरती नई फिलोसफी को अच्छी तरह से चित्रित करते हैं ङ्क ''यह हमारी जिंदगी है। हम इसे बिंदास जीते हैं।'' इस फिल्म में आपको अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी जैसे कि सूर्यकुमार यादव और एबी डीविलियर्स भी नजर आएंगे। इस नए कैंपेन से ब्रांड एक बड़ी जनरेशन की आवाज को मजबूत करना चाहता है, ये वो जनरेशन है जो ट्रेंड बनाती है और इन्हें इन्नोवेटर के रूप में देखा जाता है। कैंपेन ब्रांड को ऐसे युवा दर्शकों से जुडने की दिशा में कदम उठाने में मदद करता है जो सामाजिक बदलाव और रोमांच की इच्छा रखते हैं।. नया कैंपेन ब्रांड के तीन महत्वपूर्ण सिद्धांतों को सुगमता से मिलाता है-जनरेशन लार्ज फिलासफी; लिव इट लार्ज जेस्चर, जनरेशन लार्ज का वास्तविक परंपरा और गोल्डन स्टैग ब्रांड आइकनोग्राफी। लिव इट लार्ज जेस्चर इस बात का प्रतिबिंब है कि बड़े पैमाने पर जनरेशन अपनी जिंदगी के हल पल को बिंदास जीती है और उसे खास बनाती है; यह आज के डिजिटल दर्शकों का नेचुरल जेस्चर भी है। कैंपेन को प्रभाशाली तरीके से टीवी, डिजिटल, प्रिंट और ओओएच सहित सभी प्रमुख प्लेटफार्म पर चलाया जाएगा।

टाटा साल्ट ने शुरू किया तेज़ बच्चों से ही तो तेज़ देश बनता है कैम्पेन

मुंबई, एजेंसी। भारत में आयोडीन युक्त नमक सेगमेंट में अग्रणी और मार्केट लीडर टाटा साल्ट ने तेज़ बच्चों से ही तो तेज़ देश बनता है कैम्पेन शुरू किया है। देश की सेहत, देश का नमक टाटा साल्ट ब्रांड की इस मूल अवधारणा के अनुरूप नया अभियान तैयार किया गया है। इस अभियान में बच्चों के सामान्य मानसिक और भावनात्मक विकास के महत्व पर ज़ोर दिया गया है। अभियान ने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि बच्चों को पर्याप्त मात्रा में आयोडीन मिलता रहना चाहिए, जो बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक प्रमुख सूक्ष्म पोषक तत्व है। इस कैम्पेन में एक माँ और बेटी के बीच की बातचीत को दिखाया गया है। माँ अपनी बेटी के साइंस प्रोजेक्ट, स्कॉलरशिप, कंप्यूटर एग्जाम और स्कूल प्रतियोगिताओं के बारे में चिंतित हैं, लेकिन आत्मविश्वासी बेटी उन्हें सुकून भरी प्रतिक्रिया देती है।

हम एक परिवार से शादी करते हैं, यह सिर्फ आपके और आपके पार्टनर के बारे में नहीं होता: टीना दत्ता

मुंबई, एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो हम रहें ना रहे हम दो ऐसी दुनिया सामने लाता है, जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। इसमें एक तरफ शाही बारोट खानदान है और दूसरी तरफ है तीन औरतों और एक बच्ची की मिडिल क्लास फैमिली यानी अहलूवालिया परिवार। बारोट खानदान के सबसे बड़े बेटे शिवेंद्र (जय भानुशाली) को सुरीली अहलूवालिया (टीना दत्ता) से प्यार हो जाता है और काफी उतार-चढ़ाव के बाद दोनों को यह एहसास होता है कि वे एक दूसरे से जुदा नहीं रह सकते। शिवेंद्र अपनी मां दमयंती (किट्टू गिडवानी) की मंजूरी के बिना सुरीली को अपनी दुल्हन बनाकर रनकगढ़ ले आता है।

GE-HAL deal on jet engines done, 600 India MSMEs to benefit

Prime Minister Narendra Modi and US President Joe Biden are all set to announce a mega defence deal during their upcoming meeting between June 21-24, 2023, in Washington DC. After the US government gave the go-ahead to General Electric (GE) to transfer jet engine manufacturing technology to India, the two sides reached an in-principle agreement on the deal.

The American defence company will be entering into an agreement with India's Hindustan Aeronautics Limited (HAL) to co-produce jet engines in the South Asian nation. The technology will power India's fighter jet program once the Memorandum of Understanding (MoU) is operationalised.

.@generalelectric & Hindustan Aeronautics are set to manufacture fighter jet engines in India. Sources say the Biden administration has given permission for GE to co-produce the engines in #India ahead of PM Modi's U.S. visit later this month. @Parikshitl reports. pic.twitter.com/OsRkSuDgtu — CNBC-TV18 (@CNBCTV18News) June 6, 2023

It is significant to note that GE and HAL had entered into an agreement to manufacture jet engines in 2012, but the deal could not take off as the government wanted higher levels of technology transfer.

Sources say to CNBC-TV18 that an agreement on higher levels of technology transfer has been agreed upon and no other ally has this kind of an agreement with the United States. Modalities of technology transfer, timelines and payment mechanisms are now being discussed before the final agreement is inked during the Prime Minister's visit.

Also Read:ALH-Dhruv crashes in J-K | Experts say just grounding choppers won't be enough but...

The central government is yet to announce a site for the co-production of GE jet engines in India. However, HAL already has an engine division in Koraput, Odisha and this could be one of the locations under consideration. Sources have also said that 500-600 Indian Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs) could benefit from this agreement.

Discussions on possible collaboration on jet engines took place in February during NSA Ajit Doval's meeting with his counterpart Jake Sullivan. While the deal will need the approval of the US Congress, an agreement has been reached at the highest political level. The deal contours were reviewed by Defence Minister Rajnath Singh and US Secretary for Defence Lloyd Austin, during the latter's visit to India this week.

गांधी गंज में रोड बनेगी, यह खबर सुनकर व्यापारियों में हर्ष

छिन्दवाड़ा , गांधी गंज बहुत वर्षों से सड़क का निर्माण नहीं हुआ था जगह जगह गढ्ढे बन गये थे, सिवरेज लाईन के बाद तो लगता ही नहीं था की सड़क है की नही ,कुछ लोगों के विशेष प्रयास से सड़क का निर्माण कार्य की अनुशंसा करवाई गई ,जब यहां खबर गांधी गंज में चली तो व्यपारीयो में हर्ष व्याप्त हो गया ,चलो अब सड़क बन जायेगी कई वर्षों तक नहीं देखना पड़ेगा , जैसे ही सड़क निर्माण शुरू हुआ लोगों की खुशी मायूसी में बदल गई ,हम सोच रहे थे वर्षों तक नहीं देखना पड़ेगा,रोड के कार्य को देख कर ऐसा लग रहा है,वर्ष नहीं कुछ दिनों के लिए सड़क बन रही है,और तो और इस सड़क को लोग अलग अलग नाम से संबोधन कर रहे हैं ,कोई बोल रहा है पापड़ जैसी कोई बोल रहा मोमपट्टी के जैसे, कोइ बोल रहा है रोटी जैसे बन रही है, गुणवत्ता मापदंड क्या है संबंधित विभाग सार्वजनिक करें गांधी गंज में हौर्डिंग लगा आमजनों को जानकारी शासकीय धन से सार्वजनिक करें,जिस से लोगो का आंकलन कहा तक सही है गलत है समझ आये

राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने हिन्दु महिलाओं की सुरक्षा हेतु राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा - राष्ट्रीय हिंदू सेना जिलाध्यक्ष यमन साहू ने बताया कि भारत देश में मुस्लिमों द्वारा लव जेहाद का षडयंत्र चलाया रहा है, जिसके कारण कारण आये दिन हिन्दु युवतियॉ व महिलायें उनके जाल में फंसकर लव जेहाद का शिकार हो रही हैं, और आये दिन हमारी हिन्दु बहन-बेटियों की सरेयाम हत्या कर दी जा रही है। आज जिस देश में एक महिला स्वयं राष्ट्रपति है, उस देश की राजधानी में सरेआम साक्षी नाम की नाबालिग बालिका की नृशंसा हत्या हो रही है, इससे स्पष्ट की आज देश में हिन्दु महिलायें कितनी असुरक्षित हैं। दिल्ली में हुई हिन्दु युवती की नृशंस हत्या में शामिल मुस्लिम युवक के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर प्रकरण फास्ट ट्रेक में चलाकर उसे फांसी दिये जाने एवं भारत में हिन्दु महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आज राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि भारत देश में हिन्दु महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लव जेहाद के विरूद्ध कठोर कानून बनाया जाये जिससे कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही मांग की है कि साक्षी के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख रूपये एवं परिवार के एक सदस्य को केन्द्र शासन में शासकीय सेवा में रखा जाये। इस दौरान राष्ट्रीय हिंदू सेना जिला उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष ऋषि लाला राजा वर्मा मोहित ठाकरे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विकास कार्यो की बहार , आपके द्वार पहुँच रही है शहर सरकार

आज वार्ड क्रमांक 10 खापाभाट में रोड निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया एवं नारी सम्मान योजना के फार्म भरवा कर आदरणीय कमलनाथ जी को आगामी समय में मुख्यमंत्री बनाने के लिए जन-जन तक आदरणीय कमलनाथ जी के विकास कार्यों को पहुँचाने की अपील की कार्यकताओं एवं वार्डवासियों से की गई इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से छिंदवाड़ा महापौर आदरणीय विक्रम अहके जी निगम अध्यक्ष आदरणीय सोनू मागो जी, लोक निर्माण विभाग के सभापति मनोज सक्सेना जी पार्षद संगीता उईके जी क्षेत्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र चौधरी जी समन्वयक शैलेश ठाकुर जी वार्ड अध्यक्ष चमरू लाल उईके जी ,रमेश यादव जी , मितेंद्र चंदेल जी राजेंद्र अवस्थी जी, दुर्गेश उईके जी, प्रदीप विश्वकर्मा जी, रोमी यादव जी, शिव साहू जी, राकेश वर्मा जी, सुखमण मंडल जी, विजेंद्र कूड़ापे जी सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्तागण एवं समस्त वार्डवासी उपस्थित थे।

परिसर जिला छिंदवाड़ा के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र में वरिष्ठ नागरिक महामंच की साप्ताहिक मीटिंग संपन्न हुई द्य इस मीटिंग में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई ,विशेष तौर पर पत्रिका विमोचन पर चर्चा की गई द्य आज वरिष्ठ नागरिक महा मंच का डेलिगेशन नगर निगम आयुक्त कार्यालय पर पहुंचा तथा संबंधित कार्यालय अधीक्षक को विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए जवाबी पत्र सौंपा द्य इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक महामंच के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहेद्य टीएन मिश्रा , जय शंकर शुक्ला ,टी एम आर नायडू, अशोक मिश्रा ,प्रभु कृपा शंकर यादव ,सुरेश घोरसे ,वासुदेव चौहान, शेख अयूब कादरी,माणिकराव इंगले , प्रभाकर ठाकरे ,घनश्याम डेहरिया ,एसके सूर्यवंशी, वीके त्रिवेदी, उमेश वर्मा आदि की गरिमामय उपस्थिति रही

दुनिया आज मोदी जी की प्रशंसा कर रही है: सुनीता दुग्गल

भाजपा जो कहती है वह करती है-कविता पाटीदार , मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा

छिंदवाड़ा - मोदी जी के 9 वर्ष के कार्यकाल में देश आगे बढ़ रहा है उन्होंने इतने विकास किया कि आज पूरी दुनिया में उनकी प्रशंसा हो रही है। भाजपा सरकार गरीब कल्याण के लिए एवं देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत काम किया है, देश की जीडीपी बढ़ी है, उक्त बातें हरियाणा सिरसा की सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल एवं छिंदवाड़ा की प्रभारी राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से चर्चा कर रही थी। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक नरेश दिवाकर, पूर्व विधायक नत्थन शाह, शेषराव यादव, विजय झांझरी, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगेंद्र राणा,दारा जुनेजा, संतोष पारिख, प्रियवर सिंह ठाकुर एवं अन्य नेता उपस्थित थे।

श्रीमती दुग्गल ने बताया कि 11 करोड शौचालय देश में बने हैं प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना जैसी कई योजनाओं में गरीबों के कल्याण की सरकार काम कर रही है जो पिछले सरकारों ने नही की।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी 15 माह की सरकार में भाजपा सरकार की कई योजनाओं को बंद कर दिया था और उन्होंने जो घोषणा की थी उसे भी पूरा नहीं किया। महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि महंगाई का असर पूरी दुनिया में है हमारे देश की स्थिति बहुत अच्छी है जबकि कई देश महंगाई से परेशान है महंगाई तो मनमोहन सिंह की सरकार में भी थी किंतु प्रधानमंत्री मोदी जी ने कोविड काल में परिस्थिति को संभाला और पूरी दुनिया को वैक्सीन पहुंचा कर उनकी मदद की है आज पूरी दुनिया मोदी जी की प्रशंसा कर रही है। देश में विकास तो हो रहा है किंतु विपक्ष को विकास नहीं दिख रहा है वे महंगाई और रोजगार को मुद्दा बना रहे है महंगाई का असर पूरी दुनिया में है देश में रोजगार भी बढ़ रहे है। विपक्ष को विकास नहीं दिख रहा उन्हें कहने के लिए कुछ भी नहीं है विपक्ष में है तो उन्हें विरोध तो करना ही पड़ेगा।

श्रीमती सुनीता दुग्गल ने कहा कि मोदी जी को 2024 में, प्रदेश में शिवराज की सरकार को बनने से कोई नहीं रोक सकता है। राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है जबकि कांग्रेस की सरकार ने अपने वचन पत्र के अनुसार कोई भी वायदे पूरे नहीं किए और अभी भी वायदे पर वायदे कर रहे जो कभी पूरे नहीं हो सकते

जनसेवा का अच्छा प्लेटफार्म है राजनीति

हरियाणा सिरसा की सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल आईएएस अधिकारी भी रही हैं उनसे पूछा गया कि आप प्रशासनिक अधिकारी भी रही हैं अब आप सांसद हैं कैसा महसूस करती है तब उन्होंने कहा कि यदि सच्चे मन से कार्य करें तो जनता की सेवा करने का सबसे अच्छा प्लेटफार्म राजनीति है, छिंदवाड़ा आप आए तो कैसा लगा, अच्छा लगा यहां की आबोहवा पर्यावरण अच्छा है।

जन अभियान परिषद द्वारा एकात्म अभियान अंतर्गत गांव गांव में ध्यान शिविर का हो रहा आयोजन

अमरवाड़ा- मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक कुलदीप सिंह ठाकुर जिला समन्वयक श्री बंदना राकेसिया के मार्गदर्शन निर्देशन में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जन अभियान परिषद एवं रामचंद्र मिशन हार्टफुलनेस के द्वारा विकास खंड के गांव गांव में ध्यान शिविर का आयोजन किया जा रहा है परामर्शदाता अंशुल जैन ने जानकारी देकर बताया कि अमरवाड़ा विकासखंड में 5 सेक्टर के सभी ग्रामों में ध्यान शिविर आयोजित हो रहा है इसी क्रम में नवांकुर संस्था प्रगति सोपान समिति के सेक्टर के नाम 3 के ग्राम पिपरिया राजगुरु करबडोल कोंडरा हरनभटा सेजा मैं योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में ग्राम वासी शिविर में पहुंचे हार्टफूलनेस सेंटर से आए प्रशिक्षक अल्पना दीक्षित के द्वारा सभी ग्रामीणों को ध्यान करवाया गया और उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच सचिव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था के सदस्य एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के छात्र मौजूद रहे।

लाइफ शपथ से लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प , पौधारोपण के साथ करें उसकी हिफाजत:अखिलेश जैन

औषधि पौधे हमारी अनमोल धरोहर: विनोद तिवारी , जैविक खेती सबसे बड़ी पर्यावरण सोच :अशोक मिश्रा

छिंदवाड़ा। लाइफ शपथ में सभी मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू नवांकुर संस्था प्रस्फुटन समितियां,समाजसेवी संथाओं के प्रतिनिधि सहित परामर्शदाताओ ने अपने विशेष कार्यक्रम पर्यावरण दिवस पर पी जी कॉलेज छिंदवाड़ा में अपने जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन के साथ साथ लाइफ शपथ ली।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम के स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर एवम राष्ट्रपति पुरस्कार समाजसेवी ,पर्यावरण विद विनोद तिवारी ने सभी को लाइफ शपथ दिलाई ।इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सेवा निवृत डिप्टी मीडिया अधिकारी अशोक मिश्रा ने सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण विषय में संगोष्ठी में परामर्श दाता श्रीमति लता नागले ,श्रीमती तृप्ति सिंह ठाकुर ने पालीथीन के नुकसान बताए तो वही जयप्रकाश सूर्यवंशी,अशीष साहू ने जैविक खेती के लाभ बताए ।इस अवसर पर जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक अखिलेश जैन ने कहा की आज विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रकृति के संरक्षण के लिए हम सभी अंकुर अभियान के तहत पौधा रोपण जरूर करे वर्ष भर पौधारोपण कर उसकी हिफाजत कर उसे पेड़ बनने तक पर्यावरण संरक्षण के लिए उस ब्रक्ष से जुड़े रहे।पर्यावरण विद विनोद तिवारी ने औषधि पौधो की प्रजाति के बारे में बताते हुए कहा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हम सभी को अपने अपने घरों के आस पास अपने अपने कार्यालयों में अपने अपने खेतों के मेड़ों में आम, जाम नीम ,सहित पांच ओषधि के पेड़ जरूर लगाए ।रविन्द्र नाफडे जी ने इस अवसर पर नदिया न पिए कभी अपना जल,पेड़ ना खाए कभी अपना फल गीत से सभी प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में समाजसेवी मनीष तिवारी,डाक्टर निर्मलकर,महेश बंदेवार सहित सभी लोग उपस्थित थे

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोटरी क्लब ने किया पौधा रोपण

छिंदवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब छिंदवाड़ा द्वारा रोटरी भवन के परिसर में पौधा रोपण एवम विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद श्रीमती कविता पाटीदार ,रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सचिव विनोद तिवारी,कोषाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल,अभय दुग्गड , अर्पित नेमा,डाक्टर एच बी सुनेजा, अशोक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल,अमित मक्कड़,रूबल डोडानी,अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन के शैलेंद्र वर्मा ,सहित अन्य रोटरी मेंबर्स उपस्थित इस अवसर पर रोटरी क्लब प्राइड के अध्यक्ष सहित समस्त मेंबर्स उपस्थित थे। क्लब अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने क्लब की गतिविधियों से राज्य सभा सांसद श्रीमती कविता पाटीदार जी को अवगत करवाया वही क्लब सचिव रोटेरियन विनोद तिवारी ने उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया

बच्चो ने चित्र में भरे पर्यावरणीय रंग ,रोटरी प्राइड ने की तारिफ

बच्चो को समझाया जैव विविधता रोटरी क्लब प्राइड के मेंबर्स ने

छिंदवाड़ा द्द्द्दप्रकृति के प्रति समर्पण भाव रखने और उसके संरक्षण के लिए प्रतिवर्ष 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है इस मुहिम के तहत प्रशासन के साथ साथ रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्गत रोटरी क्लब आफ छिंदवाड़ा प्राइड द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस उपलक्ष में ,बच्चों द्वारा पेड़ों को न काटने ,को लेकर भावुक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। साथ ही बच्चों द्वारा बनाए हुए पेंटिंग, ड्राइंग ,बर्ड हाउस, पक्षियों के लिए आहार पौधों में पानी डाला गया बच्चो द्वारा स्पीच और कविता भी प्रस्तुत की गई स्प्राउट के रूप में सभी को पौष्टिक आहार बाटा गया हमारे आसपास की नदी तालाबों जंगलों पहाड़ों पशु पक्षियों मिट्टी आदि का संरक्षण कैसे करना है ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में परिवर्तन के के प्रति जागरूकता फैलाई गई और प्रदूषण को रोकने के लिए कदम उठाकर स्वच्छता अभियान चलाया गया

साथ ही साथ यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण दिवस सिर्फ 5 जून को न मनाकर हर दिन पर्यावरण दिवस रूप में मनाना चाहिए। ताकि हम अपनी धरा को हम सुरक्षित रख आने वाली पीढ़ियों के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सकें।। इसमें विशेष रूप से उपस्थित रही क्लब प्रेसिडेंट रोटेरियन नीलम डोडानी, क्लब सचिव रोटेरियन अंजलि नायक ,क्लब ट्रेजरआर रोटेरियन निधि अग्रवाल ,रोटेरियन कृति गुप्ता ,रोटेरियन अनीता बत्रा कविता डोडनी ,मानसी डोडानी भावना भोजवानी व सरिता आहूजा और सभी बच्चे।

संस्कार विद्यालय में ओडिशा रेल हादसे के मृतकों को श्रद्धाजंलि दी गई

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में आज दिनांक 06.06.2023 को ओडिषा रेल हादसे में 278 मृतकों के लिए संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, समाज सेवी श्री विष्णु बंसल, श्री रामचन्द सभनानी, श्री कन्हैयलाल मोटवानी, श्री लाल ग्वालानी, विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.के. मिश्रा द्वारा दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी ने कहा कि अभी जो ओडिषा में बड़ी रेल दुर्घटना हुई हे जिससे पूरा देष क्या सारा संसार ही आहत हुआ है। इस हादसे में कई लोग मारे गए, कई घायल हुए और कई मिसिंग भी है हम ईष्वर से प्रार्थना करते है कि ईष्वर मारे गए लोगो को अपने चरणों में स्थान दे और जो घायल उन्हें जल्द से जल्द ठीक करें। संस्था के सचिव श्री बसंत चेलानी ने ओडिषा रेल हादसे में श्रद्धाजंलि दी एवं ईष्वर से प्रार्थना की कि उनके परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर उपस्थित संस्था के कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, समाजसेवी श्री विष्णु बंसल एवं श्री रामचन्द सभनानी ने भी ओडिषा रेल हादसे में मारे गए लोगो को श्रद्धांजलि देते हुए ईष्वर से प्रार्थना की कि उनकों अपने चरणों में स्थान दे और उनके परिवार वालों को इस असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

चार दिवसीय प्रवास पर नकुल-कमलनाथ का होगा छिन्दवाड़ा आगमन

जनसभा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में होंगे उपस्थित

छिन्दवाड़ा- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री कमलनाथ व जिले के सांसद श्री नकुलनाथ का अपने चार दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिनांक 9 जून से 12 जून तक अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। इस चार दिवसीय दौरे के अंतर्गत श्री कमलनाथ व श्री नकुलनाथ पांच जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे तथा हर्रई नगर में सांसद श्री नकुलनाथ का रोड शो सम्पन्न होगा।

सांसद कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री कमलनाथ का दिनांक 9 जून को दोपहर 1.30 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे, 9 जून को ही सांसद श्री नकुलनाथ का नागपुर होते हुये सांय 5.40 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत वे जिला कांग्रेस द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

दिनांक 10 जून को श्री कमलनाथ व श्री नकुलनाथ प्रातः 11 बजे चौरई विधानसभा क्षेत्र के बिछुआ नगर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करने के उपरांत प्रातः 12.15 बजे नवेगांव ब्लॉक में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होंगे। छिन्दवाड़ा आगमन के उपरांत श्री नकुलनाथ दोपहर 2.00 बजे खजरी में आयोजित पाल समाज के कार्यक्रम में सम्मिलित होने के उपरांत दोपहर 2.30 बजे पिपरिया गुमानी में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करने के बाद अपरान्ह 3.30 बजे छिन्दवाड़ा विकासखण्ड के ग्राम कोटलबर्री में आयोजित कार्यक्रम को उदबोधित करेंगे। तत्पश्चात वे सांय 5.20 बजे नगर के कोलाढ़ाना में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। सांय 6 बजे श्री कमलनाथ एवं श्री नकुलनाथ स्थानीय मोती पैलेस में छिन्दवाड़ा ग्रामीण नगर निगम की बैठक में उपस्थित होंगे।

दिनांक 11 जून को पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ व सांसद श्री नकुलनाथ प्रातः 11 बजे जामई में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम उपरांत वे दोपहर 12.30 बजे मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम मैनीखापा में आयोजित किसान सम्मेलन में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम पश्चात छिन्दवाड़ा आगमन के उपरांत श्री नकुलनाथ हर्रई के लिये प्रस्थान करेंगे जहां वे दोपहर 2.25 बजे से आयोजित रोड शो में सम्मिलित होकर आमजन से रूबरू होंगे। सांय 5.45 बजे सांसद का छिन्दवाड़ा आगमन होगा।दिनांक 12 जून को पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ व सांसद श्री नकुलनाथ छिन्दवाड़ा से जबलपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

सुनीता बमानिया बनी जिला प्रभारी

छिन्दवाड़ा- आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने में जुटे हैं। आगामी दिनों में कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के प्रभारी संगठन की बैठक लेंगे जिसको लेकर आवश्यक चर्चा आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित एससी प्रकोष्ठ की बैठक में की गई।

आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के हरि नागवंशी, श्रीमती रानू डेहरिया, महेश जम्भारे व श्रीमती प्रीति बाक्सर व राकेश नागेश दिनांक 7 जून को सिंगोड़ी, अमरवाड़ा व सुरलाखापा में संगठन की बैठक लेंगे। दिनांक 7 जून को ही दमुआ, नवेगांव एवं जामई में प्रकाश मेहरोलिया, वंदना नागवंशी, सुनीता बाबनिया व सुमित भावरकर बैठक लेंगे। दिनांक 8 जून को सौंसर, उमरानाला एवं खैरीताय गांव में बैठक होगी। आज आयोजित बैठक में सुनीता बमानिया को जिला अनुसूचित जाति विभाग छिन्दवाड़ा का महिला संगठन जिला प्रभारी मनोनीत किया है। उन्होंने अपनी नियुक्ति के प्रति श्री कमलनाथ व श्री नकुलनाथ सहित कांग्रेस के समस्त विधायकगण व वरिष्ठ कांग्रेसजन का आभार माना है।

देवी देवताओं पर टीका टिप्पणी और धर्मांतरण के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर की कार्यवाही की मांग

अमरवाड़ा। नगर में सोमवार को हिंदू देवी देवताओं पर असामाजिक तत्वों द्वारा टीका टिप्पणी करने और धर्मांतरण के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद सहित विभिन्न हिंदू संगठनों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए अमरवाड़ा एसडीएम और थाना प्रभारी के नाम ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच करते हुए कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार विगत कुछ दिनों पहले सोनपुर निवासी एक युवक ने हिंदू देवी देवताओं पर अनैतिक रूप से चित्रण करते हुए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया। जबकि उक्त युवक द्वारा धर्म परिवर्तन के दौरान यह सब कृत्य किया गया। जिसके उपरांत सोशल मीडिया में देख हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने उक्त युवक पर कार्यवाही के लिए शनिवार को कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर डाली गई पोस्ट के स्क्रीनशॉट के साथ थाना निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले को घटना की जानकारी दी तदोपरांत कार्यकर्ताओं ने कार्यवाही की भी मांग की। जबकि सोमवार को मामले को लेकर विश्व हिंदू परिषद सहित समस्त हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर बस स्टैंड और पुलिस थाना के सामने प्रदर्शन किया। तो वही नारों के साथ एसडीएम कार्यालय पहुंचकर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच करते हुए कड़ी कार्यवाही की मांग की गई। वही कहा गया कि यदि प्रशासन निष्पक्ष जांच के साथ कार्यवाही नहीं करता है,तो कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर आरोपी को भेजा जेल

हिंदू देवी देवताओं के विरुद्ध तथा धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघात करते हुए आपत्तिजनक चित्रों एवं संवाद को सोशल मीडिया में प्रसारित करने पर अमरवाड़ा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल हिंदू उत्सव समिति तथा राजनीतिक दलों द्वारा सोमवार को दोपहर अमरवाड़ा अनुविभागीय एसडीएम तथा एसडीओपी को शांतिपूर्ण जुलूस निकालकर ज्ञापन सौंपकर मांग की थी। जिसके बाद अमरवाड़ा पुलिस द्वारा आरोपी योगेश पिता रवि निवासी सोनपुर जागीर को आपत्तिजनक चित्रों को सोशल मीडिया में प्रसारित करने पर भादवि की धारा 295 151 के तहत गिरफ्तार करते हुए सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया।

अमरवाड़ा में अब तक 3500 किसानों को 930 मेट्रिक टन यूरिया एवं 386 मेट्रिक टन डीएपी का हो चुका है वितरण

वरिष्ठ अधिकारियों ने व्यवस्थाओं के लिए दिए उचित दिशा निर्देश

नगर में किसानों को खाद यूरिया वितरित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग लगातार उचित व्यवस्थाओं के साथ किसानों को निम्न दरों पर खाद और यूरिया उपलब्ध करा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमरवाड़ा में अब तक 2 खाद वितरण केंद्रों से लगभग 3500 किसानों को 930 मेट्रिक टन यूरिया एवं 386 मेट्रिक टन डीएपी का वितरण किया जा चुका है। वर्तमान में शासन द्वारा शासकीय समितियों में 70त्न यूरिया एवं प्राइवेट दुकानों में 30त्न यूरिया का अनुपात भी निर्धारित किया गया है। वहीं वर्तमान में अमरवाड़ा में वितरण केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में खाद का स्टॉक है।

अमरवाड़ा में वर्तमान में दो खाद वितरण केंद्र है। जिसमें एक हाईवे के पास कृषि उपज मंडी तो वहीं दूसरा वितरण केंद्र हिबरासानी गोदाम है। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर दोनों ही वितरण केंद्रों पर किसानों को टोकन नंबर दिया जा रहा है और टोकन नंबर के हिसाब से ही किसानों को वितरण केंद्रों में बुलवाया जा रहा है ताकि किसान बेवजह परेशान ना हो। जिसमें प्रत्येक वितरण केंद्र में 150 किसान आसानी के साथ 1 दिन में खाद यूरिया प्राप्त कर सकते हैं। दोनों ही वितरण केंद्रों पर छांव के लिए टेंट की व्यवस्था तो वहीं पानी की व्यवस्था भी की गई है। वही जानकारी के मुताबिक किसानों की समस्याओं को देखते हुए सिंगोडी क्षेत्र में भी खाद यूरिया वितरण के लिए एक गोदाम चालू कराया गया है।

इन अनुपातों में वितरित हो रही है खाद यूरिया: वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी अनीता डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यूरिया 266.50 प्रति बोरी तो वही खाद डीएपी 1350 रुपए में दी जा रही है। यूरिया,डीएपी खाद किसानों के रकबे के हिसाब से दी जा रही है। 1 एकड़ जमीन में 2 बोरी यूरिया और 1 बोरी डीएपी देने का प्रावधान है। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर सभी वितरण केंद्रों में किसानों को यूरिया खाद नियमित रूप से वितरित की जा रही है।

सवा करोड़ में से 26 हजार लाड़ली हुई अपात्र, सीएम 10 जून को बहनों को देंगे 1-1 हजार

भोपाल। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों ने पंजीयन कराया है। इनमें से दो लाख से अधिक को लेकर आपत्तियां प्राप्त हुई थी। इनमें से 26 हजार लाड़ली बहनें जांच में अपात्र पाई गई है। शेष सभी पात्र लाड़ली बहनों के बैंक खातों में दस जून को एक-एक हजार रुपए डाले जाएंगे।

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने मंगलवार को प्रदेशभर के कलेक्टरों के साथ योजना की तैयारियों को लेकर चर्चा की और सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया कि सभी पात्र बहनों के खातों में राशि समय पर पहुंच जाए यह कलेक्टर सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव इकबाल सिंह ने सभी जिला कलेक्टरों से लाड़ली बहना योजना की तैयारियों को लेकर अलग-अलग बात की। जो आवेदन स्वीकृत हुए है उनके शत प्रतिशत वितरण की तैयारियां की जाए इसके लिए उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया एक जून से आठ जून तक के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर अब तक क्या किया गया है और आगे क्या करना बाकी है इस पर भी उन्होंने बात की। आठ जून को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद दस जून को मुख्य समारोह जबलपुर में होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सिंगल क्लिक में बहनों के खातों में एक-एक हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों में किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने सभी कलेक्टरों से पूछा कि योजना की पात्र लाड़ली बहनों के बैंक खाते आधार लिंक है या नहीं, यह देख लें। खाता नंबर सही है या नहीं, यह भी पहले ही सुनिश्चित कर लिया जाए। किसी के खाते से पैसा वापस नहीं आना चाहिए। खातों में किसी किस्म की त्रुटि नहीं रहे, यह भी पहले ही देख लिया जाए। मुख्य सचिव की इस वीडियो कांफ्रेंस में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,जनपद पंचायत और आयुक्त नगर पालिका निगम, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरीय निकाय तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास भी उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने जबलपुर, सीधी, रतलाम और पन्ना कलेक्टरों से सीधी बात की। रतलाम और पन्ना कलेक्टरों पर सीएस ने नाराजगी जताई।

दमोह स्कूल मामले में आज एक्शन लेगी पुलिस: मिश्रा

भोपाल। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दमोह के गंगा जमना स्कूल को लेकर हो रहे बवाल पर कहा है कि आज पुलिस एक्शन लेगी। चार दिन से सबूत इकट्ठा किए जा रहे थे। जांच के आदेश पहले ही दे दिए गए थे। बच्चियों के बयान लिए जा रहे थे। पुलिस को निर्देश दिए हैं कि शुरुआती जांच में जो भी निकलकर सामने आया, उसके तहत कार्रवाई की जाए। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के बयान पर कहा, मैं उनसे बात करूंगा। मंत्री ने मामले में दमोह कलेक्टर की भूमिका संदिग्ध बताई थी।

इस प्रकार की जो मानसिकता है, उसे मध्य प्रदेश में पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। हमने पुलिस को निर्देश दिए है कि प्रथमदृष्टया जो जानकारी अब तक सामने आई है, उसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई होगी। भारत के नक्शे में छेड़छाड़ की जो बात सामने आई है, उसकी जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

10 महीनों में सरकार को विभागों से चाहिए 1.44 लाख करोड़, नए लक्ष्य तय

भोपाल। चुनावी साल के राज्य सरकार ने प्रदेश में आर्थिक विकास के मुख्य स्त्रोत माने जाने वाले विभागों के सालाना कमाई के टारगेट रिवाइज कर दिए हैं। सभी विभागों से राज्य सरकार को अगले वर्ष 31 मार्च 2024 तक 1 लाख 44 हजार 333 करोड़ रुपए से अधिक की आमदनी चाहिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व संग्रहण करने वाले प्रमुख विभागों व वित्त अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद यह टारगेट तय किए गए हैं। सभी संबंधित विभाग प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने विभाग के सालाना लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम तेज करें।

प्रदेश में सरकार की आमदनी बढ़ाने वाले प्रमुख विभागों में वाणिज्यिक कर के अलावा खनिज साधन, परिवहन, ऊर्जा, वन, राजस्व, नर्मदा घाटी विकास, जल संसाधन और लोक परिसंपत्ति विभाग शामिल हैं। सबसे अधिक राजस्व वाणिज्यिक कर विभाग से आता है जिसके अधीन जीएसटी, स्टांप शुल्क और पंजीयन तथा आबकारी महकमे आते हैं। यही विभाग प्रमुख आर्थिक स्त्रोत भी हैं। वित्त वर्ष के लिए मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में हुई दो अलग-अलग बैठकों के बाद अब सभी विभागों के चालू वित्त वर्ष के वार्षिक लक्ष्य तय कर दिए गए हैं। इसमें सरकार ने तय किया है कि आबकारी विभाग से 13845 करोड़, राजस्व विभाग से 700 करोड़, लोक परिसंपत्ति विभाग से 500 करोड़, जल संसाधन विभाग से 716 करोड़, नर्मदा घाटी विकास विभाग से 84 करोड़ की वसूली इस साल की जानी है। इसके अलावा ये विभाग अपने पुराने एरियर्स की वसूली भी करेंगे।

इन विभागों के बदल गए टारगेट

सरकार ने नौ विभागों के टारगेट में बदलाव किया है। जिनके टारगेट बदले गए हैं, उनमें वाणिज्यिक कर विभाग को वैट से होने वाली आमदनी के लक्ष्य 19557 करोड़ को बढ़ाकर 20500 करोड़, स्टेट जीएसटी से होने वाली आय का लक्ष्य 32 हजार करोड़ से बढ़ाकर 34 हजार करोड़ किया गया है। स्टांप और पंजीयन शुल्क से पूर्व में 10400 करोड़ की आमदनी प्रस्तावित थी जिसे बढ़ाकर 10700 करोड़ किया गया है। वहीं जीएसटी संग्रहण के अंतर्गत केंद्र से मिलने वाली आय का आंकड़ा 22738 करोड़ से बढ़ाकर 23500 करोड़, राज्य से होने वाली आय का आंकड़ा 19588 करोड़ से बढ़ाकर 20250 करोड़ कर दिया गया है। खनिज विभाग के लिए पहले 9 हजार करोड़ का टारगेट था जो अब 9500 करोड़ कर दिया गया है। परिवहन विभाग को पहले 4440 करोड़ कमाकर देना था लेकिन अब 4800 करोड़ कमाकर देना होगा। इसी तरह ऊर्जा विभाग का टारगेट 3858 करोड़ से बढ़ाकर 4200 करोड़, वन विभाग का1650 करोड़ से बढ़ाकर 1700 करोड़ कर दिया गया है।

7 पटवारी और लिपिक सस्पेंड

भोपाल। मध्यप्रदेश के देवास जिले में वर्ष 2018-19 से 21-22 के बीच प्राकृतिक आपदा में वितरित की गई आर्थिक सहायता राशि में गड़बड़ी पाए जाने के आरोप में कलेक्टर ने 7 पटवारी और एक लिपिक को निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस संबंध में ऑडिट रिपोर्ट में आर्थिक सहायता राशि के वितरण में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं प्राप्त हुई थी। इस रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने गंभीर वित्तीय अनियमितता करने वाले 7 पटवारी और एक लिपिक को मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन पाया जाने पर निलंबित कर दिया है।

निलंबित पटवारियों के नाम हैं अनिल मालवीय, अजय चौधरी, महेंद्र मंडलोई, अमित कुशवाह, दिलीप यादव,दिनेश सिसोदिया, भैयालाल नरगावे और लिपिक राहुल शर्मा। दरअसल, 2018 से 2022 के बीच देवास जिले के किसानों को प्राकृतिक आपदा में वितरित की जाने वाली राशि का सीएजी ने आडिट किया गया था। सीएजी की ड्राफ्ट रिपोर्ट में करीब 1 करोड़ 61 लाख का बड़ा भ्रष्टाचार निकलकर सामने आया था। मामले की जांच में 35 पटवारी और कुछ तहसील कर्मचारी जांच के दायरे आए थे। इन पटवारियों ने अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के खाते में यह राशि डाल ली गई थी। इनमें से सीधे-सीधे जिन पर आरोप पाए गए, ऐसे 7 पटवारियों और एक लिपिक को कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

पदोन्नति के लिए मुख्य वन संरक्षक को ज्ञापन सौंपा

भोपाल। वन कर्मचारी मंच ने भोपाल संभाग के वन रक्षकों को पदोन्नति एवं उच्च पद वन पाल का प्रभार देने के आदेश जारी करने की मांग को लेकर आज भोपाल व्रत के मुख्य वन संरक्षक राजेश खरे को ज्ञापन सौंपा मुख्य वन संरक्षक ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह में भोपाल वृत्त के वन रक्षकों को पदोन्नति एवं उच्च पद का प्रभार देने के आदेश जारी कर दिए जाएंगे प्रतिनिधिमंडल में अशोक पांडे योगेंद्र सिंह चौहान हरि सिंह गुर्जर लव प्रकाश पाराशर प्रेम लाल त्रिपाठी राकेश वर्मा आदि शामिल थे।

वन कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने वन कर्मचारी मंच की मांग को मंजूर करते हुए एक माह पूर्व वन विभाग में वनरक्षको को पदोन्नति एवं उच्च पद वनपाल का प्रभार देने के आदेश जारी करें थे जिस के पालन में ग्वालियर खंडवा शिवपुरी बैतूल आदि वन व्रतों में तो वन रक्षकों को पदोन्नति एवं उच्च पद वनपाल के पद का प्रभार देने की आदेश जारी कर दिए गए हैं लेकिन भोपाल वृत्त के वन रक्षकों को ही शासनादेश के डेढ़ माह बीत जाने के बावजूद भी पदोन्नति एवं उच्च पद वनपाल के पद का प्रभार देने के आदेश जारी नहीं किए गए है जिस कारण भोपाल वृत्त के वरिष्ठ वन रक्षकों में असंतोष व्याप्त है अब वन कर्मचारी मंच की पहल पर शीघ्र ही भोपाल वृत्त के वन रक्षकों को भी पदोन्नति एवं उच्च पद वनपाल के पद का प्रभार देने के आदेश जारी कर दिए जाएंगे।

बाइक डिवाइडर से टकराई, एक की मौत

भोपाल। गांधी नगर क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार डिवाइडर में टकराने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई दो अन्य अस्पताल में उपचार हो रहा है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार शाम 4 बजे भोपाल से सीहोर जा रहे थे उक्त बाइक पर 3 युवक सवार थे जो निशातपुरा जनता क्वार्टर के रहने वाले थे। जिनकी बाइक गांधीनगर थाना क्षेत्र एयर पोर्ट रोड के पास बने द्रोणाचल के पास डिवाइडर से टकरा गई जिससे बाइक चालक आकाश अहिरवार उछलकर इंदौर से आ रही कर से टकराकर सड़क के किनारे गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई दो अन्य साथ गंभीर हालत में घायल हो गए जो हमीदिया अस्पताल में उपचर्रत हैं।

15 दिन का अल्टीमेटम देकर काम पर लौटे परिवहन अफसर व कर्मचारी

भोपाल। भोपाल आरटीओ में रोजाना की तरह सुबह से परिवहन विभाग संबंधी कामकाज सुचारू तरीके से संचालित हुए। परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा ने 15 दिनों के अंदर मांगों को पूरा करने के आश्वासन के बाद कर्मचारी मंगलवार से काम पर लौटे। परिवहन विभाग कर्मचारी संगठन ने 15 दिनों का अल्टीमेटम देकर आज से काम शुरू कर दिया। यहां पर सुबह से लर्निंग लाइसेंस, परमानेंट लाइसेंस, फिटनेस, वाहनों के ट्रांसफर, वाहनों के पंजीयन सहित अन्य काम कराने वाले दोबारा पहुंचे। कई लोगों के गत दिवस यानी सोमवार को लाइसेंस बनवाने के लिए टाइम लिया था, उनके फोटो भी आज लिए गए। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश परिवहन (राजपत्रित) अधिकारी संगठन ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया था। इसके कारण सोमवार को आरटीओ में कामकाज बंद थे।